22 मई 2025
गुरुवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

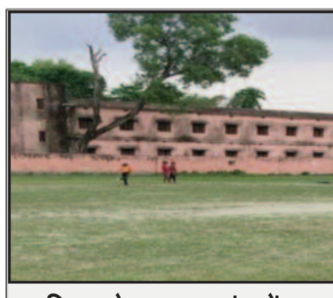

बिहार के 252 प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम बनकर पूरी तरह तैयार 5



# मौलिक अधिकारों के विस्तार में सुप्रीम कोर्ट की अहम भूमिका

**मौलिक अधिकार**

- सीजेआई गवई बोले- , 75 साल का सफर मिसाल
- कोर्ट ने पीआईएल के जरिए सबसे कमजोर वर्गों के लिए अपने दरवाजे खोले हैं

**एजेंसी/नई दिल्ली**

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मौलिक अधिकारों के दायरे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है और इसका 75 साल का सफर भारतीय संविधान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सूचना तकनीक, मध्यस्थता और चुनावी प्रक्रिया जैसे जटिल मामलों पर फैसले देकर समाज की बदलती जरूरतों को पूरा किया है। सीजेआई ने यह भी कहा कि कोर्ट ने जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के जरिए सबसे कमजोर वर्गों के लिए अपने दरवाजे खोले हैं। वह सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशनकी ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ पर एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

**संविधान और सुप्रीम कोर्ट में दिखा अटूट संबंध :** उन्होंने कहा कि यह वर्ष ऐतिहासिक है, क्योंकि संविधान और सुप्रीम कोर्ट दोनों को 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। पिछले साढ़े सात दशकों में हमने संविधान और सुप्रीम कोर्ट के बीच अटूट संबंध देखा है। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट संविधान के तहत स्थापित किया गया था। जिसे आज तक सही तरीके से चलाया जा रहा है।

## सुप्रीम कोर्ट को संविधान के तहत सौंपी गई थी अहम जिम्मेदारी

सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट को संविधान के तहत एक बहुत बड़ा दायित्व सौंपा गया था। इसी दिशा में सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती मामले में मूलभूत ढांचे (बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर) के सिद्धांत का विकास किया, ताकि संविधान की बुनियादी विशेषताओं की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) की व्यापक और प्रगतिशील व्याख्या करके निजता का अधिकार, गरिमा का अधिकार, न्याय का अधिकार, भोजन, आवास, स्वच्छ पानी और प्रदूषण मुक्त वातावरण का अधिकार जैसे कई अहम अधिकारों को मान्यता दी।अपने पुराने फैसलों में सुधार का किया साहस'

जस्टिस गवई ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी-कभी अपने ही पुराने फैसलों को गलत माना और उन्हें सुधारने का साहस किया और विनम्रता भी दिखाई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निजता को मौलिक अधिकार मानने वाले फैसले में एडीएम जबलपुर मामले को एक ऐतिहासिक भूल बताया। उन्होंने कहा, हालांकि एडीएमजबलपुर का कानूनी असर संविधान संशोधन से खत्म हो गया था, लेकिन कोर्ट द्वारा खुद की गलती स्वीकार करना न्यायिक जागरूकता की मिसाल है। 'सुप्रीम कोर्ट के 75 साल केवल जजों की यात्रा नहीं'

उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट की 75 साल की यात्रा केवल जजों की नहीं, बल्कि वकीलों की भी है, जिन्होंने अपनी दलीलों, विचारों और वकालत से सांविधानिक बहस को आकार दिया। उन्होंने कहा कि न्याय की कहानियां केवल कानून के दायरे में सीमित न रहें, बल्कि आम जनता तक पहुंचें। एक जीवन देता है और दूसरा यह सुनिश्चित करता है कि वह जीवन गरिमा, न्याय और स्वतंत्रता के साथ जारी रहे।

सीजेआई ने एससीबीए को उसके सदस्यों के लिए 50 करोड़ रुपये के ग्रुप मेडिकल हेल्थ इंश्योरेंस फंड जुटाने पर बधाई दी। और उसके तहत ही कार्य करता है, लेकिन कोर्ट ने भी संविधान की सबसे बड़ी ढाल के रूप में कार्य किया है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट की 75 साल की यात्रा और संविधान की यात्रा एक-दूसरे से अलग नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ संशोधन कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर लगातार दूसरे दिन सुनवाई चल रही है। इससे पहले चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई ने एक अन्य मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि टॉप पांच जज छुट्टियों के दौरान भी यहां बैठे हैं और हम काम कर रहे हैं, फिर भी पेंडिंग मामलों के लिए हमें दोषी ठहराया जा रहा है।

# मुंबई में बिल्डिंग का स्लैब गिरने से छह लोगों की मौत

**एजेंसी/मुंबई**

मुंबई के पास कल्याण में एक बिल्डिंग का स्लैब गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल हुए कई लोगों की हालत नाजुक है। मुंबई से सटे कल्याण में बड़ा हादसा हो गया, जहां बिल्डिंग का स्लैब गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि इतने ही लोग घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। यह स्लैब सीधा नीचे तक धंस गया, जिससे इमारत के निचले मंजिलों में रह रहे लोग इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल की बच्ची शामिल हैं। तीन अन्य घायल लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। अनुमान है कि करीब 10 लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। इस घटना को लेकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी निर्देश दिया है कि मलबे में फंसे लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए और इमारत में रहने वाले अन्य लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए। जिससे राहत कार्यों में बाधा आने की आशंका है। मृतकों के नाम प्रमिला साहू, नामस्वी शेलार, सुनीता साहू, सुजाता पाडी , सुशीला गुजर, व्यंकट चव्हाण शामिल थे। स्थानीय निवासियों के अनुसार सप्तश्रृंगी इमारत भी काफी पुरानी थी और इसकी मरम्मत की सख्त जरूरत थी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा एक बार फिर महाराष्ट्र में जर्जर और असुरक्षित इमारतों की स्थिति पर सवाल खड़े करता है।

## खबरें फटाफट

### एक घंटे तक हवा में घुमता रहा विमान, लगे यात्रियों को झटके

**नई दिल्ली।** हम हवा में थे, बारिश और तेज हवाओं के थपेड़ों के हमारा विमान बार-बार झटके खा रहा था। विंडशील्ड खोलकर बाहर देखा तो बादलों की गरज के बीच बिजली कड़क रही थी। उस एक घंटे तक बस भगवान से यही प्रार्थना थी कि हमें सुरक्षित जमीन पर पहुंचा दो। भुवनेश्वर से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में यात्रा कर रहे। इस दौरान अन्य यात्रियों के चेहरे पर भी कुछ यही खौफ था। उन्होंने बताया कि यात्रियों ने सीट बेल्ट बांधना शुरू किया ही था कि अचानक विमान को तेज झटके लगने लगे। विमान कभी एक ओर झुकता को कभी दूसरी ओर। इस बीच पायलट ने फिर उद्घोषणा की कि मौसम खराब है और हमें अभी लैंडिंग करने की अनुमति नहीं मिली है। यात्री धैर्य बनाए रखें। इसके बाद सारे यात्री दहशत में आ गए। यात्री ने बताया कि कुछ यात्रियों ने विमान की विंडशील्ड खोलकर बाहर का हाल देखा तो अंधेरे और बादलों के बीच गरज और कड़कती बिजली देख सबके होश उड़ गए। इसके बाद विमान करीब एक घंटे तक हवा में ही अटका रहा। बार-बार तेज झटके और हवा में विमान को डगमगाता देख हम सारे यात्री डर रहे थे।

## छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

# 50 घंटे का ऑपरेशन में एक करोड़ के ईनामी सहित 27 नक्सली ढेर

**एजेंसी/नई दिल्ली**

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबल के जवानों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में जवानों ने सीपीआई के महासचिव को मार गिराया है। उसके सिर पर 1 करोड़ रुपये का इनाम था। नारायणपुर छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां कोंडागांव के अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों ने बुधवार को मुठभेड़ में 27 नक्सलियों को मार गिराया है। इस मुठभेड़ में एक जवान शहीद भी हुआ है। नक्सलियों के पास से सुरक्षाबलों ने बड़ी मात्रा में गोला बारूद और हथियार बरामद किए है। इसकी जानकारी खुद राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने दी। नक्सल विरोधी अभियान के बारे में जानकारी देते हुए विजय शर्मा ने बताया कि जवानों के लिए यह ऑपरेशन कितना मुश्किल भरा था।

**50 घंटे तक चला ऑपरेशनः** डेप्युटी सीएम और राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि सुरक्षाबल

के जवानों को इनपुट मिला था कि कोंडागांव और अबूझमाड़ के जंगलों में बड़ी मात्रा में नक्सली एकत्रित हुए हैं। जिसके बाद ऑपरेशन शुरू किया गया था। मुखबिर से सूचना मिली थी कि नक्सली संगठन के कई टॉप लीडर एकत्रित हुए हैं। जिसके बाद जवानों ने रणनीति के तहत कार्रवाई की गई है। विजय शर्मा ने कहा कि अबूझमाड़ में हुए नक्सली मुठभेड़ के बारे में कहा कि लगभग 50 घंटों तक चले नक्सल विरोधी ऑपरेशन में जवानों की फायरिंग में 27 नक्सली मारे गए हैं। यह बहुत बड़ी सफलता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व व मुख्यमंत्री विष्णुदेव से के मार्गदर्शन से सफलता प्राप्त हुई है। साथ ही 1 करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर के भी मारे जाने की पुष्टि हुई है।

**विपरीत परिस्थित में मिली सफलताः** नारायणपुर जिले में छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) यूनिट ने विषम भौगोलिक परिस्थितियों और अत्यधिक चुनौतियों के बीच वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध एक बड़े अभियान को अंजाम दिया है।

**एक सप्ताह पहले मिली थी सफलता :** इससे पहले सुरक्षा बलों ने करेर्गुट्टा पहाड़ी क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त अभियान में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इसके साथ ही भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए थे। सीआरपीएफ के डीजी ने जानकारी दी थी कि नक्सल विरोधी अभियान की शुरूआत 2014 में हुई थी, लेकिन 2019 के बाद से इस अभियान ने अधिक गति पकड़ी है। जवानों के लिए देश भर में संयुक्त प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है, जिससे उनकी रणनीतिक और सामरिक क्षमताओं में वृद्धि हुई है।

**नक्सली जिले भी कम हुए :** उन्होंने बताया था कि जहां 2014 में 35 जिले नक्सली गतिविधियों के केंद्र हुआ करते थे, वहीं 2025 तक यह संख्या घटकर मात्र 6 जिलों तक सीमित रह गई है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों के चलते नक्सली हिंसा में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है की गई है।

**अमित शाह ने दी जानकारी :** शाह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि नक्सलवाद को जड़ से मिटाने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया है।'

# भारत ने पाकिस्तान अधिकारी को किया अवांछित व्यक्ति घोषित, दिया 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश

**केटी न्यूज/नई दिल्ली**

भारत ने नई दिल्ली स्थित स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में कार्यरत एक अधिकारी को पसोर्ना नॉन ग्राटा घोषित कर दिया है और उससे 24 घंटे में देश छोड़ने के लिए कहा है। भारत ने यह कार्रवाई पाकिस्तानी अधिकारी के अपने कार्यक्षेत्र के इतर अन्य तरह की संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के कारण की है। पहलगाम हमले के बाद से भारत लगातार संदिग्ध पाकिस्तानी अधिकारियों को देश छोड़ने के आदेश जारी कर रहा है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को भारत ने आज इस संबंध में एक डिमार्शे (कूटनीति में दूसरे देश के खिलाफ उठाया गया कदम) जारी किया और उनसे उपरोक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश से बाहर भेजने के लिए कहा गया है। इस संदर्भ में आज पाकिस्तान उच्चायोग के कार्यवाहक उच्चायुक्त को एक कड़ा आधिकारिक विरोध पत्र जारी किया गया। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि पाकिस्तान के कोई भी राजनयिक या अधिकारी भारत में अपने विशेषाधिकारों और दर्जे का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न करें। बता दें कि पसोर्ना नॉन ग्राटा किसी भी विदेशी राजनयिक को अवांछित घोषित करने की वह स्थिति होती है। जिसके तहत उसे देश छोड़ने का तुरंत आदेश दिया जाता है। इससे पहले 13 मई को भारत ने जासूसी में कथित रूप से संलिप्त होने के कारण एक पाकिस्तानी अधिकारी को निष्कासित कर दिया था।गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा की गई एक भयावह घटना में 26 निर्दोष पर्यटकों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस जघन्य आतंकी हमले के ठीक अगले दिन, 23 अप्रैल को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कूटनीतिक कदम उठाए थे। इसके बाद से भारत लगातार संदिग्ध पाकिस्तानी अधिकारियों को देश छोड़ने के आदेश दे रहा है। इन उपायों के तहत नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में कार्यरत अधिकारियों की संख्या को 55 से घटाकर 30 कर दिया गया। इसके अलावा, भारत सरकार ने पाकिस्तानी रक्षा सलाहकारों को देश से निष्कासित करते हुए उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही भारत ने इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से सभी रक्षा सलाहकारों को तत्काल प्रभाव से वापस बुला लिया था और वहां कार्यरत राजनयिकों की संख्या में भी कटौती कर दी थी। जब किसी देश को लगता है कि कोई विदेशी राजनयिक उसके देश के नियमों का पालन नहीं कर रहा या गड़बड़ी कर रहा है, तो उसे अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। इसका मतलब होता है कि अब उस अधिकारी का उस देश में रहना स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह कूटनीति में विरोध जताने का सबसे सख्त तरीका माना जाता है। इसमें आमतौर पर कारण सार्वजनिक नहीं किए जाते। इस कार्रवाई का समय भी खास है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी थी। यह ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया आतंकवाद विरोधी अभियान है। एक वरिष्ठ भारतीय सैन्य अधिकारी ने लगभग 70 देशों के प्रतिनिधियों को इस ऑपरेशन की जानकारी दी थी।

# ईडी बोली... सोनिया-राहुल के खिलाफ बनता है केस, आय से अधिक 142 करोड़ कमाए

**एजेंसी/नई दिल्ली**

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में चौथी सुनवाई हुई। ईडी ने कोर्ट को बताया कि, पहली नजर में सोनिया और राहुल के खिलाफ केस बनता है।

दोनों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए कमाए हैं। ईडी ने की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त नहीं कर ली। ईडी की तरफ से दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि, इस मामले में 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई होगी। नेशनल हेराल्ड केस 2012 से चल रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत की थी।

# नेवी में नया शिप आईएनएसवी कौंडिन्य शामिल

**एजेंसी/बेंगलूरू**

अजंता की पेंटिंग से प्रेरणा, लकड़ी-रस्सी से बनाया। सिलकर बनाया गया शिप इंडियन नेवल सेलिंग वेसल कौंडिन्य बुधवार इंडियन नेवी के जहाजी बेड़े में शामिल हो गया। कारवाड़ नेवल बेस पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हुए। इसका नाम भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है।

उन्होंने हिंद महासागर को पार करके साउथ-ईस्ट एशिया की यात्रा की थी। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि साल के अंत में यह गुजरात से ओमान तक के पारंपरिक ट्रेड रूट पर ट्रांस-ओशनिक यात्रा करेगा। आधुनिक वेसल (पोत) से अलग इस सिले हुए जहाज में चौकोर पाल और स्टीयरिंग बोर्ड लगा है। स्टीयरिंग बोर्ड का उपयोग पतवार के आविष्कार से पहले जहाज को कंट्रोल करने के लिए किया जाता था। इसके अलावा शिप के पाल पर गंधभेरुंड और सूर्य की आकृतियां हैं। उसके बो पर नक्काशीदार शेर और डेक पर हड़प्पा शैली का पत्थर का लंगर लगाया गया है।सिलाई तकनीक से जहाज बनाने के प्रोजेक्ट में संस्कृति मंत्रालय, नौसेना और होदी इनोवेशन शामिल थे। इनके बीच जुलाई, 2023 में समझौता हुआ था। संस्कृति मंत्रालय ने इसके लिए फंड दिया था। 12 सितंबर, 2023 को जहाज की कील बिछाने का काम हो गया था।केरल के कारीगरों ने इसे बनाने में पूरी तरह से पारंपरिक तरीकों और कच्चे माल का इस्तेमाल किया। मास्टर शिपराइट बाबू शंकरन के नेतृत्व में हजारों कारीगरों ने हाथ से सिले हुए जोड़ बनाए।

## जवानों को केंद्रीकृत शराब प्रबंधन प्रणाली के तहत शराब की सुविधा भी मुहैया नहीं कराई जाएगी

# सीआईएसएफ जवानों को नहीं मिलेगा 60 दिन का वार्षिक अवकाश

**एजेंसी/नई दिल्ली**

सीआईएसएफ के जवानों को 30 दिन की बजाय 60 दिन का अवकाश नहीं मिलेगा। इसके अलावा केंद्रीकृत शराब प्रबंधन प्रणाली के तहत शराब की सुविधा भी मुहैया नहीं कराई जाएगी। पहले की भांति, सीआईएसएफ जवान, शराब से दूर रहेंगे। सीआईएसएफ मुख्यालय ने अलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिशन को भेजे पत्र में यह दो टूक जवाब दिया है। एक्स पैरामिलिट्री एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने पांच मई को सीआईएसएफ

मुख्यालय में एडीजी व दूसरे अफसरों के समक्ष, जवानों के हितों से जुड़े मुद्दे रखे गए थे। एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह के अनुसार सीआईएसएफ महानिदेशालय में पूर्व एडीजी एचआर सिंह के नेतृत्व में शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात हुई थी। सीआईएसएफ के अफसरों के साथ दो मुद्दों पर चर्चा की गई। पहला मुद्दा, सीआईएसएफ जवानों को केंद्रीकृत शराब प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से मदिरा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। दूसरी मांग, सीआईएसएफ जवानों को 30 दिन की बजाय 60 दिन का वार्षिक अवकाश दिया जाए।

**जवानों को नहीं दी जाएगी मदिरा :** अब सीआईएसएफ महानिदेशालय से ईमेल के माध्यम से एसोसिएशन की मांगों पर अपना रूख स्पष्ट कर दिया है। एसोसिएशन को भेजे जवाब में बल की तरफ से कहा गया है कि किसी भी हालत में जवानों को मदिरा नहीं दी जाएगी। न ही सेवारत और न ही सेवानिवृत्त जवानों को यह सुविधा मिलेगी। न्यायालय में स्थिति साफ कर दी गई है। एसोसिएशन ने यह मांग की थी कि कम से कम रिटायर्ड जवानों को ही मदिरा सुविधा दी जा सकती है। वे तो किसी संवेदनशील जगह पर ड्यूटी नहीं कर रहे। सीआईएसएफ ने एसोसिएशन की दूसरी मांग भी खारिज कर दी है। जवानों को 30 दिन की बजाय 60 दिन का वार्षिक अवकाश मिले, यह मांग भी नहीं मानी गई।

# मुफ्त औषधि वाहन के आने से ग्रामीण स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों में नहीं हो रही दवाओं की कमी

- दूर प्रोग्राम के तहत जिला से प्रखंड और प्रखंडों से एचडब्ल्यूसी तक सप्लाई की जा रही हैं दवाएं
- स्वास्थ्य केंद्रों में तीन माह की दवाओं का स्टॉक रखने के किया जा रहा है प्रयास

केटी न्यूज/बक्सर

स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार और स्वास्थ्य समिति लगातार प्रयासरत है। जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर तक लाभुकों और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में राज्य स्वास्थ्य समिति की पहल पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में दवाओं की बेहतर उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से मुफ्त औषधि वाहन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ताकि किसी भी स्थिति में जिले के पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों में भी दवाओं की कमी न हो सके। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से जिले के दो मुफ्त औषधि वाहन उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके जरिए अस्पतालों व स्वास्थ्य संस्थानों तक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही। इस पहल से बड़े और छोटे स्वास्थ्य संस्थानों तक दवाओं को समय पर पहुंचाना अब और भी आसान हो गया है।

इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देश पर जिला व प्रखंड के स्वास्थ्य केंद्रों व पंचायतों में स्थित स्वास्थ्य संस्थानों में मांग के अनुसार दवाओं की सप्लाई की जा रही है। वहीं, प्रखंड स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में तीन माह की दवाओं का स्टॉक रखा जाए, इसका ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और संस्थानों में शत-प्रतिशत दवा उपलब्ध है। प्रत्येक मरीज को उनकी बीमारी के अनुसार हर प्रकार की दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य स्तर से सदर अस्पताल को 456, अनुमंडल अस्पताल स्तर पर 312, सीएचसी स्तर पर 309, पीएचसी स्तर पर 294, एचएससी-एचडब्ल्यूसी स्तर पर 151 व एचएससी स्तर पर 32 दवाएं आवश्यक दवाएं आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल है। कुछ जरूरी दवाएं सरकार से उपलब्ध नहीं कराये जाने की स्थिति में निर्धारित दर पर स्थानीय बाजारों से खरीदने का भी प्रावधान है।

**स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध :** जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम मनीष कुमार ने कहा कि फिलवक्त जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध हैं। बड़े स्वास्थ्य संस्थानों में मांग के अनुसार कम से कम तीन माह की दवाओं का स्टॉक रखने का प्रयास किया जा रहा है। मुफ्त औषधि वाहन के टूर प्रोग्राम के तहत एक मार्ग पर वाहन निकलने पर उक्त मार्ग के सभी स्वास्थ्य केंद्रों तक इससे दवाएं पहुंचायी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रखंड स्तर पर संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के मांग के अनुसार दवाएं भेजी जा रही है। इसके लिए वे डीवीबीडीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन डिमांड किया जाता है। साथ ही, पोर्टल के माध्यम से दवाओं की आपूर्ति और खपत की भी निगरानी की जा रही है। इस पोर्टल का सबसे अधिक फायदा एक्सपायर दवाओं की निगरानी में हो रहा है। यदि कोई दवा एक्सपायर हो चुकी है है तो इसी मुफ्त औषधि वाहन से वापस भी मंगाया जा रहा है।

### समय पर और सही मात्रा में पहुंच रही हैं दवाएं

सीएस ने बताया कि राज्य सरकार की ओर शुरू की गई यह सेवा काफी सराहनीय है। मुफ्त औषधि वाहनों का प्रमुख उद्देश्य यह है कि प्रत्येक स्तर पर स्वास्थ्य संस्थानों तक दवाएं समय पर और सही मात्रा में पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि इसके लिए दो स्तर पर वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा हुआ। इसमें लेवल-वन के मुफ्त औषधि वाहन (एक बड़ा वाहन) से पीएचसी, सीएचसी और अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्रों तक दवाएं पहुंचाई जा रही हैं। वहीं, लेवल-टू मुफ्त औषधि वाहन (एक छोटे वाहन) से ग्रामीण स्तर के एपीएचसी, एचडब्ल्यूसी व एचएससी में दवाओं की आपूर्ति की जा रही है। वहीं, सुदूरवर्ती स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाएं समय पर और सुगमता से उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए औषधि वाहनों को जीपीएस सिस्टम से लैस किया गया है।

## रोजगार मेले में 1000 युवाओं के रोजगार के लिए हुआ रजिस्ट्रेशन

**डुमरांव।** जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन 2025 का आयोजन रोजगार आपके द्वारा योजना के तहत राज हाईस्कूल डुमरांव के खेल मैदान में किया गया। इस मेले देश और राज्य के विभिन्न कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए थे। मेले में कुल 36 स्टॉललगाए गए थे, जिसमें 31 निजी क्षेत्र के थे और 5 सरकारी विभाग के लगे थे। इसका उदघाटन स्थानीय विधायक अजीत कुशवाहा, जिला नियोजन पदाधिकारी अनीश कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी सह सहायक निदेशक विकास कुमार व राज हाईस्कूल के प्राचार्य अनुराग मिश्रा ने संयुक्त रूप से इसका उदघाटन किया। इस दौरान कुल एक हजार बेरोजगारों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया।

इस दौरान बेरोजगार नौजवान सभी स्टॉल पर जाकर जानकारी हासिल करते हुए अपना रजिस्ट्रेशन करा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार 31 निजी क्षेत्र की कंपनियों की तरफ कम पढ़े-लिखे नौजवानों की ज्यादा भीड़ रही। वहीं राज्य सरकार के 5 विभागों के स्टॉल भी लगे हुए थे। इनकी तरफ ज्यादा नौजवानों का झुकाव देखा गया। सरकारी संस्थानों में डीआरसीसी, उद्योग विभाग, आईटीआई एपरेंटीसियन, श्रम विभाग, जीविका और आरएटीआई के स्टॉल लगा हुआ था। महिलाओं का झुकाव जीविका की तरफ ज्यादा देखा गया।

## बक्सर में सदर एसडीपीओ ऑफिस के पास चोरों ने बंद घर में की भीषण चोरी

# दुस्साहस : चोरों ने उड़ाए 10 लाख के आभूषण समेत चुराए कीमती सामान

- बच्चे के मुंडन समारोह के लिए मुंडेश्वरी धाम गया था परिवार
- बेटी की शादी के लिए घर में रख गया था आभूषण व कीमती सामान

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। चोरों ने बक्सर पुलिस को चुनौती देते हुए डीएसपी कार्यालय के ठीक सामने स्थित कॉलोनी के एक घर में चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने घर में बेटी की शादी के लिए रखे गए 10 लाख रूपए मूल्य के सोने व चांदी के आभूषणों के अलावे टीवी, लैपटाप, मिक्सर मशीन, चूल्हा, महंगे कपड़े, 100 से अधिक साड़ियां समेत अन्य कीमती सामानों को चुरा लिया है। बुधवार की सुबह जब परिवार मुंडेश्वरी धाम से लौटा तथा पिछले दरवाजे को खुला पाया तो सन्न रह गया। पीड़ित परिवार ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

चोरी की यह वारदात डीएसपी कार्यालय के सामने व मॉडल थाना के समीप स्थित सोन नहर प्रमंडल की कॉलोनी निवासी लालबाबू ठाकुर के घर में हुई है। लालबाबू सोन नहर प्रमंडल में उच्च वर्गीय कर्मचारी हैं। उनके बेटी की शादी सात जून को होने वाली थी। पीड़ित ने बताया कि बेटी की शादी के लिए परिवार वर्षों से गाजीपुर के प्रसिद्ध ज्वेलर्स बब्लू अग्रवाल की दुकान से आभूषणों की खरीददारी कर उसे घर में रखा था, इसके अलावे दहेज के लिए टीवी, लैपटॉप, मिक्सर, चूल्हा, महंगे सूट, लहंगा, 100 से अधिक साड़ियां और वर पक्ष के लिए खरीदे गए 40-50 सूट सहित लाखों रुपये की संपत्ति इकट्ठा कर रखी थी, जिसे चोरों ने चुरा लिया। इस मामले में पीड़ित गृह स्वामी ने नगर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

**फारेंसिक टीम ने लिया जाएजा:** पुलिस ने चोरी की इस गुत्थी को सुलझाने के लिए फारेंसिक टीम का सहारा लिया है। बुधवार को घटना स्थल पहुंची फारेंसिक टीम ने उक्त घर से कई नमूने एकत्र कर अपने साथ ले गई। फारेंसिक टीम वैज्ञानिक पद्धति से इस घटना की गुत्थी सुलझाने तथा वारदात में शामिल चोरों का पता लगाने का काम करेगी। देखना है कि पुलिस का यह तरकीब कितना कारगर हो रहा है। बता दें कि इसके पहले जिले के कई अन्य जगहों पर हुई चोरियों के उद्भेदन में फारेंसिक टीम को अबतक कोई खास सफलता नहीं मिल सकी है।

**पुलिस ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है:** मामले में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सोन नहर प्रमंडल स्थित कॉलोनी के एक घर में चोरी की घटना हुई है। पुलिस ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है। पुलिस वैज्ञानिक पद्धति से इस घटना में शामिल चोरों के शिनाख्त का प्रयास कर रही है। बहुत जल्द घटना में शामिल चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

### पिछला दरवाजा तोड़ चोरों ने दिया घटना को अंजाम

चोरी की इस वारदात को पिछला दरवाजा तोड़कर अंजाम दिया गया है। चोरी की इस घटना को लेकर मोहल्ले में दहशत है और लोग पुलिस की कार्यशैली व गश्त पर सवाल उठा रहे हैं। यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि सोमवार की रात ही मुरार थाना क्षेत्र के दंगौली गांव में भी इसी तरह की बड़ी चोरी हुई थी। चोरों दंगौली निवासी गोपालजी सिंह के घर से 12 लाख रूपए के आभूषण व कीमती सामान चुरा लिए थे। पुलिस अभी इस मामले का उद्भेन नहीं कर पाई थी कि चोरों ने अब जिला मुख्यालय व मॉडल थाना के समीप चोरी की वारदात को अंजाम दे पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है। दोनों चोरियों में एक समानता है कि दोनों घरों में बेटी की शादी की तैयारी चल रही थी, जिस कारण लाखों रूपए के आभूषण चोरों के हाथ लगे है। चोरी की इस घटना के बाद लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि जब डीएसपी कार्यालय व नगर थाने के सामने ऐसी घटनाएं हो सकती हैं, तो आम लोग कितने सुरक्षित हैं? शहरी क्षेत्र में हुई चोरी की इस घटना ने पुलिस गश्त पर भी सवाल उठा दिए है। वहीं, शहर की सुरक्षा व मॉनिटरिंग के लिए लगाए गए सीसीटीवी भी ऐसी वारदातों को रोकने या चोरों की शिनाख्त में विफल साबित हुआ है।

## खुलासा: प्रेम प्रसंग निकला एक साल पुराना अपहरण का मामला, ब्रह्मपुर से युवती बरामद

केटी न्यूज/नावानगर

एक साल पूर्व सोनवर्षा थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती का अपहरण होने का मामला प्रकाश में आया था। पर पुलिस जांच में युवती का अपहरण मामला प्रेम प्रसंग का निकला। पुलिस ने युवती को ब्रह्मपुर के कांट गांव से सकुशल बरामद कर लिया है। युवती ने अपनी प्रेमी के साथ शादी भी रचा लिया है। इधर पुलिस ने बरामद युवती को फर्द बयान (164) के लिए मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया। बाद में युवती को उसके सास ससुर के हाथों पुलिस ने सुपुर्द कर दिया है।

सोनवर्षा थानाध्यक्ष के अनुसार युवती ने मजिस्ट्रेट के समक्ष दी गई बयान में बताई है कि वह बालिंग है। उसका कोई अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वह अपनी मर्जी से प्रेमी के साथ गई थी। बाद में दोनों ने शादी कर लिया है। उसके मजिस्ट्रेट के समक्ष कहा है कि वह अपने सास ससुर के साथ रहना चाहती है। बता दें कि बीते वर्ष 10 अप्रैल को युवती के पिता ने कांट निवासी दीपक कुमार पर शादी की नियत से अपने पुत्री का अपहरण करने की नामजद प्राथमिकी सोनवर्षा थाना में दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस युवती की बरामदगी में जुट गई। एक साल बाद पुलिस को सूचना मिली कि युवती ब्रह्मपुर क्षेत्र के कांट गांव में रह रही है। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उक्त गांव में छापेमारी की और युवती को बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार इस घटनाक्रम के बाद अपहरण का मामला कमजोर हो गया है और अब इसे प्रेम प्रसंग के आधार पर ही देखा जा रहा है।

## 40 लीटर महुआ शराब पुलिस ने बरामद

**नावानगर।** स्थानीय थाना के गुंजाडीहरी गांव के पास से पुलिस ने शराब की खेप बरामद किया है। हालांकि कारोबारी पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। इधर बरामद शराब 40 लीटर महुआ निर्मित है। नावानगर थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने बताया कि गश्ती के दौरान परमडीह गांव के तरफ से एक बाइक नहर मार्ग से आ रही थी। पर पुलिस वाहन देख कर बाइक चालक अपनी बाइक पीछे मोडकर वापस भागने लगे। जिसे देखकर पुलिस को शंका हुई। पुलिस ने बाइक का पीछा किया। पुलिस द्वारा बाइक का पीछा करते देख कारोबारी ने शराब की खेप फेक कर पास के गांव में घुस गये। जहां गांव के गलियों का सहारा लेकर कारोबारी भाग निकले। शराब बरामद करने के बाद पुलिस भाग निकले कारोबारियों की पहचान करने में जुट गई है।

## भ्रष्टाचार का आरोप लगा संयुक्त छात्र मोर्चा ने फूंका डीके कॉलेज के प्राचार्य का पुतला

केटी न्यूज/डुमरांव

एनएसयूआई व छात्र राजद द्वारा बुधवार को डीके कॉलेज डुमरांव के प्राचार्य का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसका नेतृत्व छात्र संघ कोषाध्यक्ष राजू खान व संचालन एनएसयूआई प्रदेश महासचिव रंजन राज ने किया।

प्रदर्शन का संचालन कर रहे रंजन राज ने कहा कि वर्तमान प्रभारी प्राचार्य द्वारा कॉलेज में लूट व भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं और छात्रों को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इस भीषण गर्मी के मौसम में भी छात्रों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था कॉलेज प्रबंधन द्वारा नहीं की गई हैं और न ही पूछताछ काउंटर सही ढंग से संचालित किया जा रहा है। गैर शैक्षणिक पदों पर हुई नियुक्ति में धांधली हुई हैं और अनावश्यक रूप से हरे भरे पेड़ों की कटाई की गई हैं। जिसके खिलाफ हम सभी आवाज बुलंद करने पर मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि यह अभी आगाज मात्र हैं आने वाले दिनों में हम व्यापक स्तर पर लड़ाई लड़ने के लिए बाध्य होंगें। मौके पर छात्र राजद के कॉलेज अध्यक्ष अजय यादव, एनएसयूआई के कॉलेज अध्यक्ष कृष्णा ओझा, नीतीश कुमार, मुनमुन यादव समेत कई अन्य छात्र नेता उपस्थित थे।

## जमीन विवाद को लेकर महिला से मारपीट, दो पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/डुमरांव

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव में मंगलवार की शाम जमीन विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। इस घटना में महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जख्मी महिला के बयान पर स्थानीय थाना में गांव के ही रवि सिंह और सुरेंद्र सिंह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दर्ज प्राथमिकी में महिला ने बताया कि पूर्व से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। उसी विवादित जमीन से फसल काटकर उसे एक स्थान पर रखा गया था ताकि पंचायती के माध्यम से उसका उचित बंटवारा हो सके। लेकिन 17 मई की शाम जब महिला के दोनों पुत्र घर पर नहीं थे, तभी आरोपितों ने उस फसल को उठाकर ले जाने की कोशिश की। जब महिला को इसकी सूचना मिली और वह मौके पर पहुंची तो आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी, जिससे वह जख्मी हो गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि उसके मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं गांव में इस घटना को लेकर तनाव का माहौल बना हुआ है।

## इंपैक्ट: पुराना भोजपुर-सिमरी पथ से हटा कचरा

केटी न्यूज /डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के पुराने भोजपुर-सिमरी पथ पर सफाई एनजीओ के द्वारा खाली स्थान पर कूड़ा का डंप किया जा रहा था जिससे आमजन एवं राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था इस समस्या को 21 मई के अंक में केशव टाइम्स के द्वारा प्रकाशित किया गया इस मामले में तत्परता दिखाते नप ईओ मनीष कुमार ने संबंधित सफाई एनजीओ को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ईओ के निर्देश के बाद सफाई एजेंसी ने तेजी से कार्य प्रारंभ किया और इलाके से कचरा हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। विशेष रूप से पुराना भोजपुर कब्रिस्तान के समीप जमा कूड़े को साफ कर मझवारी गांव के रैयती गड्ढे में डंप किया गया। इससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली, जो लंबे समय से गंदगी और दुर्गंध के कारण परेशान थे।

सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित बनाने के लिए सफाई एनजीओ ने कूड़े के भंडारण व निस्तारण के लिए किराए पर जमीन ली है। इस स्थल का उपयोग अस्थायी डंपिंग ग्राउंड के रूप में किया जा रहा है, जहां कचरे को वैज्ञानिक तरीके से संग्रहित और निष्पादित किया जाएगा। ईओ ने बताया कि नप स्वच्छता को लेकर पूरी तरह गंभीर है। सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए एक विशेष निगरानी टीम का गठन किया जा रहा है। जो कचरा उठाव व निस्तारण की निगरानी की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जल्द ही ठोस कचरा प्रबंधन की स्थायी व्यवस्था लागू की जाएगी।

## पायलट प्रोजेक्ट के तहत बक्सर के चौगाई प्रखंड अंतर्गत 40 स्कूलों में नई व्यवस्था शुरू

# एमडीएम के प्रभारी होंगे सहायक शिक्षक

**बड़ा बदलाव**

- ई-शिक्षाकोष पोर्टल से पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हुआ शिक्षकों का चयन

प्रतिकात्मक तस्वीर

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग ने एमडीएम को प्रभावी, पारदर्शी व सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब तक यह योजना स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के जिम्मे थी, जिससे उनके शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों पर प्रभाव पड़ता था। लेकिन अब विभाग ने निर्णय लिया है कि प्रधानाध्यापक इस जिम्मेदारी से मुक्त रहेंगे और इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी वरिष्ठ सहायक शिक्षकों को सौंपी जाएगी।

**चौगाई प्रखंड के 40 विद्यालय का चयन :** इस नई व्यवस्था की शुरूआत जिले के चौगाई प्रखंड के 40 सरकारी विद्यालयों से की गई है। यहां मंगलवार से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यह व्यवस्था लागू की गई है, जो आगामी 13 जून तक चलेगा। यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो इसे जिले के अन्य प्रखंडों में भी चरणबद्ध ढंग से लागू किया जाएगा।

**शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद:** इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य प्रधानाध्यापकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर उन्हें विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा संचालन, प्रशासनिक व्यवस्था और बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना है। विभाग का मानना है कि इससे स्कूलों की शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार होगा। वहीं, जिन सहायक शिक्षकों को एमडीएम का प्रभारी बनाया गया है, उन्हें संचालन, स्टॉक प्रबंधन, दैनिक रिपोर्टिंग व पोषण मानकों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे न केवल उनकी जवाबदेही बढ़ेगी, बल्कि उनके नेतृत्व कौशल में भी विकास होगा। एमडीएम प्रभारी शिक्षकों को कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं, जिनमें योजना संचालन, खाद्यान्न और रसोई सामग्री का स्टॉक प्रबंधन, अभिलेख संधारण और विभागीय पोर्टल पर दैनिक फोटो रिपोर्टिंग शामिल हैं। सहायक शिक्षकों का चयन 'ई-शिक्षाकोष' पोर्टल के माध्यम से किया गया है।

**बैंक खाता संचालन में पारदर्शिता:** वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने एमडीएम से संबंधित बैंक खाता संचालन की व्यवस्था में भी बदलाव किया है। अब यह खाता विद्यालय शिक्षा समिति के सचिव और एमडीएम प्रभारी शिक्षक की संयुक्त निगरानी में संचालित किया जाएगा। इस बदलाव से आर्थिक अनियमितताओं पर लगाम लगने की उम्मीद है। ब्लॉक रिसोर्स पर्सन को निर्देश दिया गया है कि वे आवश्यक बैंक खाता खुलवाने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करें।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

# पंचायत सचिव व राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल से प्रशासनिक कार्य ठप

- छात्रों को जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र और एनसीएल बनवाने में हो रही भारी दिक्कत

केटी न्यूज /डुमरांव

पिछले दो सप्ताह से पंचायत सचिवों एवं राजस्व कर्मचारियों की संयुक्त हड़ताल से बक्सर जिले में प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों का कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है। पंचायत सचिव 3 मई से अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जबकि राजस्व कर्मचारी 7 मई से दोबारा हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल की वजह से जहां एक ओर विकास कार्य ठप हो गए हैं, वहीं आमजन, विशेषकर छात्र और अभिभावक, प्रमाणपत्र बनवाने के लिए भटकते नजर आ रहे हैं।

पंचायत सचिवों का कहना है कि वे लगातार अपनी मांगों को लेकर सरकार को पत्र के माध्यम से अवगत कराते रहे, लेकिन बार-बार की अनदेखी से वे निराश हो गए हैं। एक पंचायत सचिव ने बताया, हम चाहते हैं कि सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। पंचायत सचिव ही वह कड़ी हैं, जो गांवों में विकास की रोशनी पहुंचाते हैं। लेकिन सरकार हमारी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दे रही। मजबूरी में हमें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है।

वहीं, पंचायत सचिव केहड़ताल पर जाने से जिला के कई पंचायतों में विकास का कार्य बंद पड़ा हुआ है। दूसरी ओर, राजस्व कर्मचारी संघ का कहना है कि पहले सरकार के प्रतिनिधियों ने सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का मौखिक आश्वासन दिया था। उस वादे पर भरोसा कर वे काम पर लौटे भी थे, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे क्षुब्ध होकर वे पुनः हड़ताल पर चले गए हैं। राजस्व कर्मचारियों की अनुपस्थिति का सीधा असर भूमि संबंधित मामलों के निपटारे और प्रमाणपत्र निर्गमन पर पड़ा है।

साथ ही, जाति, आय, निवास और एनसीएल प्रमाणपत्र बनवाने के लिए छात्र और अभिभावक रोजाना अंचल कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। चूंकि कॉलेजों और स्कूलों में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है और कई प्रतियोगिता परीक्षाओं के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि भी नजदीक है, ऐसे में छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### एडीएम ने राजस्व कर्मचारियों को दी है चेतावनी

वहीं, राजस्व कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने के मामले में प्रशासन अब सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रहा है। इस क्रम में मंगलवार को राजस्व एडीएम कुमारी अनुपमा सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान सभी राजस्व कर्मचारियों को 25 मई तक वापस काम पर लौटने का फरमान जारी किया है। इस संबंध में डुमरांव समेत सभी अंचल पदाधिकारियों को हड़ताल से नहीं लौटने वाले कर्मचारियों का नाम भेजते हुए उन पर कार्रवाई का प्रस्ताव भेजने का निर्देश जारी किया था।

# कृष्णाब्रह्म में बंदरों ने मचाया तांडव हमले में 70 वर्षीय महिला जख्मी

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म इलाके में बंदरों का उत्पात बढ़ गया है। बंदरों के हमले में स्थानीय कृष्णाब्रह्म में 70 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई है, जिसका इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया जा रहा है।

महिला की पहचान जोखनी देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह अपने घर में आंगन में बैठी थी, इसी दौरान एक बंदर छत से आंगन में कूद गया तथा महिला पर हमला बोल दिया। महिला कुछ समझ पाती तथा मदद की गुहार लगाती तबतक बंदर उसे नोंच लहूलुहान कर चुका था। महिला की चिख-पुकार सुन उसके परिवार के सदस्य आंगन में आए तथा बंदर को ललकारे तब वह छत के रास्ते भाग खड़ा हुआ। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों में बंदरों का भय व्याप्त है। महिला के पुत्र हरेंद्र सिंह ने कहा कि इस समय बंदरो का आतंक काफी बढ़ गया है। बंदरों के डर से लोगों को आस पास में देख सुनकर घर से निकलना पड़ रहा है कि कहीं बंदर तो नहीं दिखाई दे रहा है।

## सड़क निर्माण कार्य में बरती जा रही है भारी पैमाने पर अनियमितता

# सूरत-ए-हाल: विकास के नाम पर मची लूट, चार महीने पहले बनी सड़कें दरकी

- जेई की लापरवाही और संवेदक की मनमानी से बर्बाद हुई लाखों की योजना
- लोगों में गहराने लगा आक्रोश

केटी न्यूजडुमरांव

सफाई एनजीओ के कार्य प्रणाली से नप अभी उबर नहीं पाया था कि पीसीसी सड़क में दरारे पड़ने और टूट कर बिखरने की शिकायत मिलनी शुरू हो गई है। जाहिर है, नगर परिषद में विकास के नाम पर मची लूट में गुणवत्ता को ताक पर रख दिया गया है। जिस कारण कुछ महीना पहले ढाली गई आरसीसी सड़कों में दरारे आ गई है। यह सिर्फ एक सड़क की बात नहीं बल्कि पिछले कुछ महीनों में ढाली गई अधिकांश सड़कों में दरार आने या टूटने की शिकायत तेज हो गई है। जिस कारण लोगों में आक्रोश गहराने लगा है। लोगों का कहना है कि विकास के नाम पर आम जनता से अधिक फायदा नगर परिषद के ठेकेदार व जेई उठा रहे है। जनता की गाढ़ी कमाई को घटिया निर्माण के नाम पर लूटा जा रहा है।

डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 11 के रानी पद्मिनी नगर कॉलोनी की सड़कों की हालत इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। महज चार माह पहले बनी गली नंबर 1, 2 और 3 की सड़कों पर दरारें पड़ने लगी है और सड़क टूटकर बिखरने की स्थिति में आने लगी है। जो निर्माण में भ्रष्टाचार की कहानी को बयां कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस सड़क निर्माण पर लाखों रुपए खर्च किए गए, उसमें चार महीने बाद ही दरार पड़ना भारी अनियमितता व मानक से खिलवाड़ की ओर इशारा कर रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कार्य के दौरान नगर परिषद के कनीय अभियंता ने एक बार भी स्थल का निरीक्षण नहीं किया, जिसका लाभ कार्य कर रहे संवेदक ने उठाया और मनमानी तरीके कार्य कराया। नतीजतन सड़क जगह-जगह से दरारे पड़ने लगी है और आने वाले मॉनसून में स्थिति और भी खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

वहीं, गली नंबर 3 की सड़क का एक किनारा तो बालू लदे ट्रैक्टर के गुजरते ही टूट कर बिखर गया, इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण में मजबूती और टिकाऊपन को नजर अंदाज कर काम कराया गया है। लोग पूछ रहे हैं कि आखिर ऐसी सड़क कैसे बनी जो मामूली भार भी सहन नहीं कर सकी। इस पूरे मामले पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार का कहना है कि संबंधित सड़कों की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर संवेदक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जबकि स्थानीय लोग इस बात की भी मांग कर रहे हैं कि भविष्य में सभी योजनाओं के स्थल पर प्राक्कलन बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाए, ताकि कार्य की पारदर्शिता बनी रहे और जनता अपने पैसों के उपयोग की निगरानी कर सके। इस संबंध में जब जेई सोनू कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि तीनों सड़कों की जांच होगी। जांच के दौरान अगर अनियमितता मिली तो पुनः तोड़कर उसे बनवाया जाएगा, लेकिन सवाल उठता है कि जनता की गाढ़ी कमाई से दोयम दर्जे की सड़क बनाने व उसे फिर तोड़ नई सड़क बनाने में जो पैसे खर्च होंगे वह कहां से आएगा।

### उठने लगी है जांच की मांग

इस मामले में डुमरांव के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता व सामाजिक मंच के प्रदीप शरण ने कहा कि डुमरांव नगर परिषद में चहुंओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि यदि सिर्फ नगर परिषद क्षेत्र में कुछ महीने पहले बनी सड़कों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो भारी पैमाने में लूट खसोट के प्रमाण मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिना किसी मानक व गुणवत्ता के सड़कों का निर्माण कराया गया है। जबकि जदयू के नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता ने नगर परिषद क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले को मुख्यमंत्री तक उठाया जाएगा तथा दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

# भारतीय सेना के शौर्य को सलाम, तिरंगा हमारे गर्व का प्रतीक: ओम प्रकाश भुवन

- डुमरांव में ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में एनडीए कार्यकताओं का देशभक्ति प्रदर्शन
- नया थाना से राजगढ़ चौक तक निकली तिरंगा यात्रा, गूंजे जायकारे

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार को एनडीए कार्यकताओं के द्वारा डुमरांव नगर स्थित नया थाना से गोला रोड होते हुए राजगढ़ चौक तक ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष विजय कुशवाहा ने की। तिरंगा यात्रा के दौरान नगर के सभी मार्ग पर देशभक्ति का माहौल छाया रहा और कार्यकताओं ने जोरदार ढंग से भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य सिर्फ राजनीति ही नहीं करना, बल्कि राष्ट्रभक्ति व देश प्रेम के संदेश को जन-जन तक भी पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से भाजपा के द्वारा तिरंगा यात्रा आयोजित की गई है। इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर के प्रति अपना समर्थन जताया, बल्कि आम जनता में भी देशभक्ति और एकजुटता का संदेश दिया।

वहीं, तिरंगा यात्रा के दौरान महिला मोर्चा शिला त्रिवेदी ने कहा की भारतीय सेना की साहसिक कार्रवाई का प्रतीक है, जिससे देश का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारतीय सेना के उन वीर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान की चिंता किए बगैर ही सीमा पार जाकर दुश्मनों को करारा जवाब दिया। इस आयोजन में भाजपा के वरिष्ठ नेता बलिराम पांडेय, शिला त्रिवेदी, ओम ज्योति भगत, अभिनाश कुमार त्रिपाठी, गोपाल जी गुप्ता, दीपक यादव, लोदी चंद, अगस्त उपाध्याय, प्रशांत ठाकुर समेत अनेक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने हाथों में तिरंगा लिए राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ इस यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

# नगर में बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता परेशान, हर घंटे में होती है ट्रिप

केटी न्यूज/डुमरांव

गर्मी ने जहां अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है तो वहीं बिजली की भी आंख मिचौली शुरू हो गई है। दस घंटे में दर्जनों बार बिजली ट्रिप होती है। जिससे उपभोक्ता हलकान बने हैं। स्थानीय नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में रात्रि एवं दिन में किसी भी समय घंटों के लिए विद्युत आपूर्ति ठप कर दी जा रही है।

लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी व उमस भरे मौसम में विद्युत सप्लाई सुचारू रूप से नहीं मिल पा रही है। साथ ही लो वोल्टेज की समस्या भी बनी रहती है। अघोषित विद्युत कटौती के कारण छोटे बच्चों को अधिक परेशानी हो रही है। विद्युत विभाग की मनमानी से शहर अंधेरे में डूबे रहते हैं। आटा चक्की, वेल्डिंग, दाल मिल जैसे उद्योग को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, व्यवसायियों का कहना है कि बिजली की अपेक्षा जनरेटर चलाने पर दोगुना खर्च आता है। ग्राहकों से अतिरिक्त पैसे मांगे जाने पर लोग वापस चले जा रहे हैं। शहर के कमल चौरसिया, अनिल कुमार, राजीव सिंह राजपूत, अधिवक्ता पवन कुमार, ओमप्रकाश वर्मा आदि ने बताया कि उमस भरी गर्मी में बिजली की कटौती कर विभाग आर्थिक के साथ-साथ मानसिक दोहन भी कर रहा हैं। वहीं कनीय विद्युत अभियंता मनीष कुमार ठाकुर ने बताया कि शहर में कई जगहों पर नए ट्रांसफार्मर और तारों का बदलाव हो रहा है। जिसके कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित है।

# पार्टी कार्यकर्ता बीएलओ से बनाएं समन्वय: एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को संयुक्त अनुमंडल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम राकेश कुमार ने की। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जहां नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और अनुपयुक्त नामों को सूची से हटाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में एसडीएम ने कहा कि ऐसे सभी युवा, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है या शीघ्र पूरी होने वाली है, उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाना अनिवार्य है। इससे लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने कार्यकताओं के माध्यम से बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से समन्वय बनाएं ताकि कोई योग्य मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मृत या विस्थापित मतदाताओं के नाम प्राथमिकता के आधार पर सूची से हटाए जाने चाहिए, जिससे चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और प्रभावी हो। प्रशासन द्वारा प्रखंड कार्यालय में बीएलओ को निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन और बेहतर ढंग से कर सकें। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि क्षेत्र में किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम छूटे नहीं। मौके पर डीसीएलआर शहजाद अहमद, सहायक निर्वाचन पदाधिकारी, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार सहित सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## बक्सर में कांग्रेस ने मनाई राजीव गांधी की 34 वीं शहादत दिवस, बोले डॉ. मनोज...

# आतंक के खत्मे के लिए शहीद हुए थे स्व. राजीव गांधी

- देश की एकता अखंडता के प्रतीक थे पूर्व पीएम, संचार क्रांति के जनक के रूप में किये जाते है याद

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमिटि कार्यालय पर बुधवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री व संचार क्रांति के जनक भारत रत्न राजीव गांधी की 34वी शहादत दिवस मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर श्रद्धांजलि देते हुए जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने राजीव गांधी को इस शदी का सबसे मजबूत व दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि आज भारत में संचारया डिजिटल क्षेत्र में जो भी कार्य देखा जा रहा है, वह राजीव गांधी की देन है। राजीव गांधी त्रिस्तरीय पंचायत को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके चलते आज गांव-गांव में पंचायती राज मजबूती से अपना कार्य कर रही है। डॉ. पांडेय ने कहा कि वे आतंकवाद को दुनिया से मिटाने में शहीद हुए थे। गरीब गुरुबो के लिए यह बलिदान भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एकता के लिए था। वे देश के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने थे। शहादत दिवस समारोह को बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि डॉ. प्रमोद ओझा ने कहा कि राजीव गांधी के शहादत भारत का दुर्भाग्य था। वे देश का विकास करने वाले, नई शिक्षा नीति लाने वाले संचार के मामले में पूरे विश्व में देश को आगे बढ़ाने वाले राजीव बहुत जल्द ही आतंकवादियों की भेंट चढ़ गए। डॉ. ओझा ने कहा कि कंप्यूटर क्रांति, पंचायती राज और महिलाओं के राजनीतिक भागीदारी में उनका विशेष योगदान रहा।

श्रद्धांजलि व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कामेश्वर पांडेय, संजय कुमार पांडेय, त्रियोगी नारायण मिश्र, संजय दुबे, पप्पू दुबे, भृगुनाथ तिवारी, अजय यादव, जयराम राम, त्रिलोकी नाथ मिश्र, रामप्रसाद द्विवेदी, वीरेंद्र राम, दीपक तुरहा, बबन तुरहा, गुप्तेश्वर चौबे सहित अनेक लोगों ने राजीव गांधी के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

ग्रामीणों ने पति व परिजनों से कराया समझौता, फिर बुलाई पंचायत

# शादीशुदा प्रेमिका से मिलने आए आशिक की ग्रामीणों ने कराई शादी

♦ विवाहिता के साथ युवक का पिछले ढाई साल से चल रहा था प्रेम संबंध

**केटी न्यूज/आरा**

आरा में शादीशुदा प्रेमिका से चोरी-छिपे मिलने आए प्रेमी को पकड़कर ग्रामीणों ने उसकी शिव मंदिर में शादी कर दी। चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव में मौसेरे भाई की पत्नी से आशिकी लड़ाने आए आशिक को ग्रामीणों ने एक कमरे में संदिग्ध स्थिति में रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद लाठी-डंडे लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने पहले पति एवं परिजनों के समझौते के बाद पंचायत के सदस्य एवं ग्रामीणों ने मिलकर हिन्दू रीति रिवाज के साथ शादी करवा दी।

**पति और प्रेमी दोनों बचपन के दोस्त थे:** मामला तरारी थाना क्षेत्र के देव चंदा गांव के रहने वाले 24 वर्षीय दिलीप कुमार का प्रेम-प्रसंग चरपोखरी थाना क्षेत्र के रहने वाली रानी से पिछले ढाई सालों से चल रहा था। रानी की शादी प्रेमी दिलीप के मौसेरे भाई सोनू चौधरी से 27 फरवरी 2022 में चौरी थाना अंतर्गत डीलिया लख गांव में बड़े ही धूम धाम से हुई थी। सोनू चौधरी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के ककिला गांव का रहने वाला है। शादी के बाद बाद रानी अपने ससुराल रहने लगी थी। दिलीप भी अपने ननिहाल डीलिया लख में बचपन से रहता था। रानी का पहला पति सोनू एवं प्रेमी दिलीप दोनों ही बचपन से एक ही साथ बड़े हुए है। यही नहीं रानी की शादी में दिलीप खुशी से डांस भी किया था।

**दिलीप मुंह बोली भाभी के पास ज्यादा समय बिताने लगा :** रानी शादी के बाद अपने ससुराल आ गई। जहां उसकी मुलाकात दिलीप से हुई। तीन से चार महीने सबकुछ ठीक चल रहा था। इसी बीच दिलीप एवं रानी की नजदीकियां बढ़ने लगी। दिलीप अपने मुंह बोली भाभी के पास ज्यादा समय बिताना शुरू कर दिया। जब भी घर पर पति सोनू नहीं रहता था तब रानी दिलीप को अपने पास बुला लेती थी। यह सिलसिला दो महीने तक चलता रहा। फिर दोनों के बीच प्यारझ्रमुहब्बत बढ़ा। प्यार का परवान ऐसा चढ़ा कि दोनों एक दूसरे के बिना नहीं रहते थे। इसी बीच इन दोनों की आशिकी की भनक रानी के पति सोनू को लगी।

**सोनू ने रंगे हाथ पकड़ा:** छह माह पहले ही रानी एवं दिलीप को उसके पति सोनू ने रंगे हाथ पकड़कर लिया। दोनों के बीच काफी कहासुनी भी हुई। इस बीच दिलीप ने रानी से वादा किया कि हर वो सुख उसे देगा जो एक पति देता है। इसके बाद रानी अपने मायके कोयल गांव आ गई। इसके बाद भी दिलीप उसके मायके कोयल गांव चोरी-छिपे मिलने आया करता था। जब रानी से शादी करने की बात दिलीप से बोली तो दिलीप ने उसे टाल-मटोल कर मना करने लगा। इसी बीच मंगलवार को प्रेमिका रानी के बुलाने पर एक बार फिर अपने दोस्त के साथ मिलने के लिए उसके घर पहुंचा। दोनों एक कमरे में चोरी-छिपे बात कर थे।

**ग्रामीणों ने खुलवाया दरवाजा:** तभी ग्रामीणों को प्रेमी की आने की भनक मिली, इसके बाद बिना देर किए लाठी-डंडे लेकर लड़की के घर पहुंचे और दरवाजा खुलवाया। ग्रामीणों ने प्रेमी दिलीप को धरझ्रदबोचा और हंगामा शुरू कर दिया। गांव वाले की हल्ले की आवाज सुनकर अन्य ग्रामीण एवं पंचायत के सदस्य मौके पर जुट गए। इसके बाद प्रेमी को भीड़ ने घेर लिया, उसके बाद पंचायती में प्रेमिका के घर वाले, पहले पति सोनू एवं प्रेमी के घर वालों को बुलवाकर पंचायती की गई। काफी देर तक तक हाइ वोल्टेज ड्रामा के बाद ग्रामीण और परिजनों ने आपसी सहमति से प्रेमी-प्रेमिका की शादी कराने का निर्णय लिया गया।

## प्यार में पागल समधी और समधन चले थे करने कोर्ट मैरेज, लोगों ने जमकर की पिटाई

**केटी न्यूज/सासाराम**

जिला क्षेत्र के एक शिवसागर प्रखंड में पारंपरिक रिश्तों की सीमाएं तब टूट गई जब दो वयस्क अपने बेटे-बेटी शादी कर भविष्य में समधी और समधन बनने वाले थे। लेकिन उनकी शादी होने से पहले ही वह एक दूजे के बनने के लिए शादी करने कोर्ट पहुंच गए।

बताया जाता हैं कि 40वर्षीय दयाशंकर राम और 33 वर्षीय धर्मशीला देवी जो मंगलवार को जिला मुख्यालय सासाराम कोर्ट मैरिज के लिए रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचे। लेकिन इसकी भनक परिवार को मिलते ही वह अचानक कोर्ट पहुंच कर दोनों की चप्पलों-जूतों से कोर्ट कैंपस में ही जमकर पिटाई कर दी। जिसे देखने के लिए शहर के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों ने बताया कि पारिवारिक मेल-मिलाप से दोनों के बीच जन्मा प्रेम-प्रसंग। दयाशंकर राम जो शिवसागर थाना क्षेत्र के धनवा गांव के निवासी हैं, अपने बेटे की शादी डालमियानगर की धर्मशीला देवी की बेटी से तय कर चुके थे। इसी रिश्ते के दौरान दोनों परिवारों के बीच संवाद बढ़ा और धर्मशीला व दयाशंकर की बातचीत मोबाइल पर शुरू हुई। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों के बीच यह मुलाकात एक प्रेम संबंध में बदल गया। बताया जा रहा है कि दोनों ने पहले ही मंदिर में शादी कर ली थी। सूत्रों से मिली जानकारी तहत दयाशंकर की दो पत्नियों की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। जो तीन बच्चों का पिता भी हैं।

## काराकाट पत्रकार के निधन पर जताया शोक

**सासाराम।** पत्रकार समरेश पांडे आकस्मिक निधन पर कांग्रेस नेता लोकेश तिवारी अधिवक्ता के अध्यक्षता में कचहरी कैंपस में शोक सभा आयोजित हुई। उनके असामयिक निधन पर कांग्रेस नेताओं ने गहरी शोक प्रकट कर 2 मिनट का मौन रख उनके दिवंगत आत्मा की शांति व शोकाकुल परिजनों को सहनशक्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। मौके पर कांग्रेस सहकारिता विभाग के प्रदेश महासचिव राजेंद्र पासवान ने कहा कि रोहतास जिला ने एक निर्भीक पत्रकार को खो दिया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति हुई है। मौके पर गौतम ऋषि, लोकेश तिवारी, अधिवक्ता धनंजय मेहता, मोहम्मद जावेद, बी. शुक्ला, डॉ. कामेश्वर तिवारी, दीपक शुक्ला, वीरेंद्र सिंह, ललित ठाकुर सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

## पागल कुत्ते के काटने से ननिहाल आए किशोर की मौत, वहीं छोटा घायल

**केटी न्यूज/आरा**

उदवंतनगर थाना क्षेत्र के आदित्य नगर मुहल्ले स्थित नहर के समीप पागल कुत्ते के काटने से ननिहाल आए बड़े भाई की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उसने दम तोड़ दिया। वहीं साथ खेल रहे उसका छोटा भाई कुत्ते के काटने से बुरी तरह घायल हो गया। जिसे प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए आरासादर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार मृत बालक गड़हनी थाना क्षेत्र के असलान गांव निवासी दीपू कुमार का 6 वर्षीय बेटा अय्यांश कुमार है। जबकि घायल छोटा भाई 3 वर्षीय रेयांश कुमार है। इधर मृत बालक के पड़ोस के रहने वाले युवक आशीष कुमार ने बताया कि वह चार दिन पूर्व वह अपने माता-पिता व भाई के साथ जीरो माइल स्थित आदित्य नगर मोहल्ला अपने ननिहाल घूमने आया था। बताया जाता है कि मृत बालक अपने दो भाई में बड़ा था। उसके परिवार में मां प्रियंका देवी एवं छोटा भाई रेयांश कुमार है। घटना के बाद मृत बालक के घर में हाहाकार मच गया है।

## धारदार हथियार के हमले से युवक घायल

**केटी न्यूज/आरा**

जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के मड़नपुर गांव में मंगलवार की देर शाम बकाए पैसे के विवाद को लेकर धारदार हथियार से गला काट एक युवक को घायल कर दिया गया। जिसके बाद पर परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार घायल युवक नारायणपुर थाना क्षेत्र के मदनपुर गांव निवासी स्व. ईश्वर दयाल सिंह का 34 वर्षीय पुत्र संभल यादव है। इधर संभल यादव ने बताया कि आठ दिन पूर्व उसने अपने गांव के ही राजमिस्त्री ओम प्रकाश से अपने घर का एक कमरा बनवाया था। जिसका 11 सौ रुपया मजदूरी बकाया था। इसके बाद ओमप्रकाश द्वारा उससे अपना 11 सौ बकाया रुपये की मांग की जा रही थी। उसने कहा कि मुझे पांच-छह दिन का वक्त दो मैं तुम्हें इंतजाम करके दे दूंगा। तभी उसने कहा था कि मुझे कल तक पैसा नही मिला तो मैं तुझे बता दूंगा। मंगलवार की जब शाम जब वह शौच करने के लिए बधार में जा रहा था। तभी ओमप्रकाश ने उसे घेर लिया। पहले उसके साथ मारपीट की इसके बाद धारदार हथियार से उसके गले को काट दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बाद उसे इलाज के द्वारा आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।

सरकारी स्कूल में नामांकन शुल्क के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली जारी

# जांच के बाद आरोपियों पर होगी कार्रवाई: डीईओ

**केटी न्यूज/सासाराम**

♦ छात्रों के पुराने रशीद के पीछे ही का काटी जा रही है नए नमांकन की अवैध रशीद

जिले के तिलौथू प्रखंड में जहां एक ओर सरकार एवं शिक्षा विभाग ने राज्य के छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण शिक्षा के लिए सरकारी विद्यालय में नामांकन अभियान चलाकर विभिन्न कक्षाओं में नामांकन करने पर जोर देते हुए पूरे राज्य के विद्यालयों में सीमित व एक समान नामांकन शुल्क लेने का आदेश जारी किया है।

वहीं, तिलौथू हाई स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक मैकू राम ने छात्रों से मनमाना नामांकन शुल्क वसूल कर अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं। जिसके उपर जिला शिक्षा पदाधिकारी भी मौन साधे हुए हैं। कुछ इसी तहर का मामला सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,तिलौथू प्रखंड से प्रकाश में आया है। जिस विद्यालय में नामांकन शुल्क के नाम पर अवैध वसूली से गरीब व कमजोर अभिभावक त्रस्त हैं। विद्यालय प्राचार्य के निर्देश एक कर्मी द्वारा अवैध तरीके से बच्चों का रशीद काटा जा रहा हैं। जिस नामांकन शुल्क का विरोध पर छात्रों का नाम काटने एवं परीक्षा सेशन बर्बाद करने की धमकी भी दी जाती है। जिससे कमजोर व असहाय अभिभावक शोषित होने के बावजूद विरोध करने से भी कतराते हैं। बच्चों के पीड़ित अभिभावकों के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलौथू के 12वीं कक्षा में नामांकन के लिए शिक्षा विभाग द्वारा तय की गई राशि व विद्यालय प्रबंधनतिलौथू हाई स्कूल की प्रभारी प्रधानाध्यापक मैकू राम द्वारा ली जाने वाली राशि में दो गुना का अंतर है। पिछले वर्ष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलौथू के 11वीं में नामांकन के दौरान शिक्षा विभाग के आदेश को अंगूठा दिखाते हुए प्रधानाध्यापक के आदेश पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी छात्रों से कला का 2000 और साइंस का 2300 रुपए की अवैध वसूली की गई है। जिस पर बच्चों के अभिभावकों एवं समाजसेवियों के विरोध पर विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि दोनों वर्षों का एक मुश्त नामांकन शुल्क ले लिया गया है। किसी भी छात्र को 12वीं में नामांकन शुल्क नहीं देना होगा। लेकिन प्रधानाध्यापक के आदेश पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा 12वीं में पुनः 2000 रुपए नामांकन शुल्क पुराने रशीद पर ही पीछे लिखकर वसूल किया जा रहा है। जबकि सरकार एवं शिक्षा विभाग के नियमानुसार नामांकन शुल्क में अधिकतम राशि 1110 रुपए लेने की प्रक्रिया है।

# बिहार के 252 प्रखंड में आउटडोर स्टेडियम बनकर पूरी तरह तैयार

**केटी न्यूज/पटना**

खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव ने बुधवार को राज्य के सभी जिला खेल पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में राज्य में खेल अवसंरचाओं के विकास और खेल गतिविधियों के विस्तार की दिशा में किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

अब तक की प्रगति की बात करें तो बिहार के 534 प्रखंड में से 252 में आउटडोर स्टेडियम पूरी तरह तैयार हैं और उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। 122 प्रखंड में स्टेडियम निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, जबकि 160 ब्लॉकों में यह कार्य प्रगति पर है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन प्रखंड में स्टेडियम तैयार हो चुके हैं, वहां नागरिकों और स्कूल के छात्रों द्वारा इनका सक्रिय उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि खेल संस्कृति का विस्तार हो सके। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर आउटडोर स्टेडियम के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाए, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के युवाओं को खेल के लिए बेहतर अवसर मिल सकें। बैठक में जिला खेल पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रत्येक सप्ताह अपने-अपने क्षेत्रों के ब्लॉकों का दौरा करें और स्टेडियम निर्माण कार्य की प्रगति की स्वयं निगरानी करें।

इसके साथ ही, उन्हें स्थानीय नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और स्कूलों के साथ संवाद स्थापित कर आउटडोर स्टेडियम के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया। अपर मुख्य सचिव ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि स्टेडियम केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि वहां छात्र और स्थानीय निवासी नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लें। इस बैठक में कटिहार, पूर्णिया और बक्सर के जिला खेल पदाधिकारियों की स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों के सफल संचालन और सक्रिय भूमिका के लिए अपर मुख्य सचिव ने विशेष रूप से सराहना की। अन्य जिलों के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे राज्य में खेल अधोसंरचना के विकास और खेल गतिविधियों के विस्तार के लिए पूरी तत्परता और सक्रियता से कार्य करें। खेल विभाग, बिहार सरकार राज्य के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# राजगीर के नौलखा मंदिर में लूट का खुलासा: पुजारी के बेटा व भतीजा निकले मास्टरमाइंड, देसी हथियार बरामद

**केटी न्यूज/पटना**

नालंदा जिले के राजगीर स्थित प्रसिद्ध नौलखा मंदिर में हुई लूट के मामले में पुलिस ने मंदिर के पुजारी के पुत्र और भतीजा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। नालंदा के पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने बताया कि नौलखा मंदिर में 19 मई की रात करीब दो बजे अपराधियों ने सुरक्षाकर्मी को गंभीर रूप से घायल करते हुए मंदिर की दानपेटी से आठ लाख से अधिक रुपए लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही राजगीर के पुलिस उपाधीक्ष ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विशेष जांच टीम का गठन किया। उन्होंने बताया कि मंदिर के मुख्य पुजारी के परिवार के ही सदस्य इस लूट के मास्टरमाइंड थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में विनीत कुमार (पुजारी का बेटा), परमीत तिवारी (पुजारी का भतीजा), बच्चन कुमार (श्वेतांबर धर्मशाला का सहायक सुपरवाइजर), कन्हैया कुमार और हीरा कुमार शामिल हैं। सोनी ने बताया कि जांच टीम ने अपराधियों के पास से लूटी गई संपूर्ण राशि के अलावा एक देसी पिस्तौल, 13 कारतूस, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का चाकू भी बरामद किया है। घायल सुरक्षाकर्मी को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं, जहां वह अब खतरे से बाहर हैं।

## मेरी राजनीति में आने का कारण सिर्फ बिहार रहा है, इसे विकसित करने की चाहत

# पार्टी कहेगी तो बिहार विधानसभा चुनाव लड़ूंगा : चिराग पासवान

**केटी न्यूज/पटना**

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने बिहार की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी तय करती है और सर्वे में सकारात्मक परिणाम आते हैं, तो वह 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान ने बिहार की राजनीति में एक बड़ा संकेत देते हुए कहा है कि अगर पार्टी तय करती है, तो वह विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब वह बिहार की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते पार्टी और गठबंधन को इससे लाभ होता हो।

चिराग पासवान ने कहा कि मेरा राजनीति में आने का कारण सिर्फ बिहार रहा है। मैं दिल्ली में पला-बढ़ा, मुंबई में काम किया। लेकिन जब देखा कि बिहार के लोगों को दूसरे राज्यों में कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तब यह सोच कर राजनीति में आया कि एक ऐसा बिहार बनाना है जहां लोगों को पलायन न करना पड़े।

**तीन बार सांसद, अब पूरा ध्यान बिहार पर :** चिराग पासवान ने बताया कि वह लगातार तीन बार–2014, 2019 और 2024 में सांसद बने हैं, लेकिन अब उन्हें लगता है कि दिल्ली में रहकर वह अपने राज्य के लिए उस स्तर पर काम नहीं कर पा रहे हैं, जैसी उनकी मूल सोच रही है। उन्होंने कहा कि अब मुझे पूरी तरह से बिहार में रहना होगा, पूरा बिहारी बनकर रहना होगा।

**क्या चिराग विधानसभा चुनाव लड़ेंगे:** इस सवाल पर चिराग ने साफ किया कि यह फैसला पार्टी के व्यापक मंथन और सर्वे के बाद ही लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर सर्वे और आंकड़े यह बताते हैं कि उनके चुनाव लड़ने से पार्टी और गठबंधन को लाभ होगा, तो वह निश्चित रूप से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहेंगे। उन्होंने यह भी स्वीकारा कि पार्टी का नेता जब खुद मैदान में उतरता है तो कार्यकताओं में उत्साह और जोश बढ़ता है, और इससे चुनावी परिणाम भी प्रभावित होते हैं।

**व्यक्तिगत रूप से भी चुनाव लड़ने को तैयार:** जब उनसे पूछा गया कि क्या वह निजी तौर पर इस बार चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं, तो चिराग ने कहा कि अगर पार्टी कहती है, तो मैं कल ही बिहार जाकर पूरी तरह से लग जाऊंगा।

मेरा समर्पण पूरी तरह से बिहार के लिए है। अगर पार्टी की राय होगी कि इससे फायदा होगा, तो मैं विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। लेकिन 2025 का चुनाव लड़ूंगा या 2030 का, ये पार्टी तय करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह सोच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी रही है, और इस दिशा में दोनों की सोच मिलती है। वहीं चिराग पासवान के इस ऐलान के बाद बिहार की राजनीति में हड़कंप मच गया है।

# गल्ला व्यवसायी की दुकान में 15 रुपये लाख की लूट

**मुजफ्फरपुर।** जिले में अपराधियों ने दिनदहाड़े हथियार के बल पर गल्ला व्यवसायी की दुकान से 15 लाख रुपये लूट लिए। यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना कांटी थाना क्षेत्र के पुरानी चौक स्थित जय माता दी ग्रेन स्टोर में हुई। बताया गया है कि सफेद अपाचे बाइक पर सवार तीन अपराधी दुकान में घुसे। तीनों के पास हथियार थे। गल्ला व्यवसायी पप्पू गुप्ता और उनके दो स्टाफ को उन्होंने हथियार के बल पर बंधक बना लिया।

# भाजपा के बदले राजद से निपटने में लगी कांग्रेस, माई–बहिन योजना की बतायी खामियां

**केटी न्यूज/पटना**

विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी महागठबंधन में दिलचस्प घमासान छिड़ा है। कांग्रेस पार्टी लगातार आरजेडी और तेजस्वी यादव को झटका देने में लगी है। अब तक वह तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से सीएम पद का दावेदार मानने से इंकार कर रही थी। अब कांग्रेस ने नया दांव खेला है। कांग्रेस ने तेजस्वी यादव की माई-बहिन योजना पर अपना हक जताते हुए इसे अपनी योजना करार दिया है।

कांग्रेस ने ऐलान किया कि अगर वह बिहार की सत्ता में आती है माई बहिन मान योजना को लागू करेगी। कांग्रेस ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक मदद देने की योजना उसकी अपनी योजना है और देश में जिस किसी राज्य में कांग्रेस की सरकार है, वहां ये योजना पहले से चल रही है। बता दें कि तेजस्वी प्रसाद यादव ने करीब 6 महीने पहले ये ऐलान किया था कि अगर उनकी पार्टी बिहार में सरकार बनाती है तो हर महिला को ढ़ाई हजार प्रति महीने का भत्ता दिया जायेगा। तेजस्वी ने इस योजना का नाम माई बहिन मान योजना रखा था। लेकिन कांग्रेस ने इसे अपनी योजना बताते हुए नया दावा कर दिया है। ऐसे में महागठबंधन में घमासान तेज होने के आसार नजर आने लगे हैं।

**कांग्रेस ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर :** बिहार कांग्रेस के कार्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार और महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कांग्रेस की माई-बहिन योजना का ऐलान किया। दोनों ने कहा कि कांग्रेस शासित कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में इस तरह की योजना चल रही है। नेताओं ने कहा कि बीजेपी सिर्फ वादा करती है लेकिन कांग्रेस वादे को पूरा करती है। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि झारखंड में भी इस तरह की योजना चल रही है। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस भी शामिल है। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने माई बहिन मान योजना के लिए एक हेल्पलाइन नंबर 8800023525 भी जारी किया है। इस नंबर पर बिहार की महिलाएं मिस्ड कॉल देकर माई-बहिन योजना के लिए अभी से अपना नाम रजिस्टर कर सकती हैं। वैसे योजना का लाभ तभी मिलेगा, जब सरकार बनेगी। अलका लांबा ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वहां बुजुर्गों और विधवाओं को हर महीने 4000 रुपये की सहायता मिल रही है जबकि बिहार में यह राशि सिर्फ 400 रुपये है।

# केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

**रोहतास।** रोहतास में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सासाराम के प्रिंसिपल को सीबीआई ने 32 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। सीबीआई फिलहाल आरोपी प्रिंसिपल मयंक कुमार श्रीवास्तव से पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि विद्यालय के सप्लायर से बिल पास कराने के एवज में प्रिंसिपल रिश्वत ले रहे थे। इस बात की लगातार शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने यह कार्रवाई की है। रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बुधवार की शाम केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने विद्यालय के प्रधानाचार्य को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पटना से आई सीबीआई की एक विशेष टीम ने केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल को उनके आवास से रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य के घर पर सीबीआई को भ्रष्टाचार से जुड़े कई दस्तावेज भी मिले हैं।

## पटना के एक बड़े अस्पताल में यूट्यूबर मनीष कश्यप की पिटाई का गरमाया मामला

# बोले गुप्तेश्वर पांडेय... यूट्यूबर मनीष कश्यप को पीटने वाले डॉक्टरों को मिले परमवीर चक्र

**केटी न्यूज/पटना**

मनीष कश्यप को पीटने वाले डॉक्टरों को परमवीर चक्र देने की मांग, पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने भारत सरकार से की अपील है। बीते दिनों पटना के सबसे बड़े अस्पताल में यूट्यूब मनीष कश्यप की पिटाई की गयी थी। पिटाई किसी आम लोगों ने नहीं बल्कि वहां के डॉक्टरों ने की थी। डॉक्टरों ने मनीष कश्यप की पिटाई से बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय काफी आहत हैं और सोशल मीडिया पर उन्होंने एक व्यंग्य पोस्ट लिखा है।

अपने पोस्ट के माध्यम से पिटाई करने वाले डॉक्टरों को परमवीर चक्र देने की अपील भारत सरकार से की है। बता दें कि गुप्तेश्वर पांडेय बिहार के पूर्व डीजीपी हैं जो रिटायरमेंट के बाद कथावाचक बन गये हैं। जब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई तब उनसे रहा नहीं गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट लिखकर यूट्यूबर मनीष कश्यप की पिटाई करने वाले डॉक्टरों को परमवीर चक्र से सम्मानित करने की मांग केंद्र सरकार से कर दी। उन्होंने एक व्यंग्य भरा फेसबुक पोस्ट लिखा है। जो इस प्रकार है...बिहार में मनीष कश्यप नाम के एक पत्रकार हैं। अभी एक डॉक्टर साहेब ने बताया कि पाकिस्तानी सेना के जनरल मौलाना मुनीर से मनीष के निजी संबंध है। पाकिस्तानी जनरल ने भारत सरकार के ऑपरेशन सिंदूर का बदला लेने के लिए पटना के मनीष कश्यप को सेट कर गोला, बम, बारूद, मिसाइल और एटम बम के साथ अकेले पटना को उड़ाने के लिए भेज दिया। मनीष को पीएमसीएच पर हमला कर उसको उड़ाना था। सैकड़ों डॉक्टर और हजारों मरीज की जिंदगी खतरे में थी। इसी बीच पीएमसीएच के डॉक्टरों को जनरल मुनीर की साजिश का पता चल गया। सैकड़ों देशभक्त डॉक्टरों ने जान को जोखिम में डालकर देश के लिए शहादत देने का संकल्प लेते हुए बम, गोली, मिसाइल की परवाह किए बिना मनीष कश्यप पर हमला कर दिया, जो अकेले थे।

## संक्षिप्त समाचार

### झारखंड के माध्यमिक स्कूलों में नई सेवा नियमावली लागू, नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने की कोशिश

**रांची, एजेंसी।** झारखंड सरकार ने राज्य के सभी सरकारी माध्यमिक विद्यालयों (कक्षा 9 से 12) में प्रधानाचार्य, आचार्य और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया और सेवा शर्तों को लेकर एक नई नियमावली लागू कर दी है. शिक्षा विभाग का दावा है कि इस कदम से स्कूलों में प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा. नई नियमावली स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से अधिसूचित की गई है. यह नियमावली झारखंड के सभी माध्यमिक स्कूल में तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी. अधिसूचना संख्या 09/+2 वि.(नि.) 03-18/2025 के तहत इसे राजकीय गजट में प्रकाशित किया गया है। इस नियमावली में प्रधानाचार्य, विषय शिक्षक, प्रयोगशाला सहयोगी, वर्ग-3 और वर्ग-4 के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की नियुक्ति, भूमिका और कार्यक्षेत्र को स्पष्ट किया गया है. खास बात यह है कि दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष शिक्षा के लिए शिक्षक की नियुक्ति की भी व्यवस्था की गई है. शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह पहली बार है जब माध्यमिक विद्यालयों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया को इस तरह से औपचारिक और सुव्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है. विभाग का कहना है कि इससे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और कार्यस्थल पर जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन होगा. नियमावली में स्कूल स्तर के साथ-साथ निदेशक, क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक और जिला शिक्षा पदाधिकारी जैसे प्रशासनिक पदों की भूमिकाएं भी परिभाषित की गई हैं, जिससे प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। शिक्षा विभाग का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य, माध्यमिक शिक्षा प्रणाली को अधिक संगठित, जिम्मेदार और छात्र-केंद्रित बनाना है. विभाग को उम्मीद है कि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी और छात्रों को अधिक योग्य और समर्पित शिक्षक उपलब्ध हो सकेंगे।

### हेलीकॉप्टर और ड्रोन की मदद से हरी-भरी होंगी पहाड़ियां, लगाए जाएंगे 5 लाख से अधिक पौधे

**जमशेदपुर, एजेंसी।** बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण व घटते जंगल को देखते हुए जमशेदपुर वन प्रमंडल ने जंगलों में हरियाली लाने के लिए झारखंड में पहली बार हेलीकॉप्टर और ड्रोन के माध्यम से पौधरोपण करने का अनोखा प्लान तैयार किया है। इसी मानसून के दौरान जमशेदपुर वन प्रमंडल अपने क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और ड्रोन की मदद से पांच लाख से अधिक फलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। पहाड़ों के समतल स्थलों जहां पौधा पेड़ का रूप धारण कर सकें वैसे स्थानों पर ही हेलीकॉप्टर और ड्रोन से सीड बॉल उपर से गिराए जाएंगे। सीड बॉल मिट्टी से बने गेंद होते हैं, जिनमें पौधों के बीज होते हैं। हेलीकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल पौधों को लगाने के लिए एक नया तरीका है, जो खासकर उन जगहों पर उपयोगी है जहां जमीन तक पहुंचना मुश्किल है या पारंपरिक तरीकों से पौधरोपण करना संभव नहीं है। यह तकनीक पौधों की संख्या बढ़ाने, जंगल में घनत्व को बढ़ाने में मदद मिल सकेगी। खासकर ऐसे इलाकों में जहां हरियाली कम हो गई है। इस तरीके की मदद से 5 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाए जाएंगे। दुर्गम इलाकों में हरियाली लाने में हेलीकॉप्टर व ड्रोन से पौधरोपण करने के कई फायदे हैं। जैसे हेलीकाप्टर और ड्रोन उन जगहों तक पहुंच सकते हैं जहां पैदल जाना या अन्य तरीकों से पौधरोपण करना मुश्किल है, जैसे कि पहाड़ या ढलान। वहां इस तरीके से पौधरोपण जल्दी होता है और प्रभावी ढंग से होता है। पौधे लगाने में ड्रोन का इस्तेमाल पारंपरिक तरीकों की तुलना में कम लागत वाला हो सकता है। जहां कम पौधे हैं या जंगल कम हो गए हैं, वैसे स्थानों को ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जा सकता है। जमशेदपुर के डीएफओ सबा आलम अंसारी कहते हैं कि कई कंपनियां जो कि ड्रोन का उपयोग करके बड़े क्षेत्रों में वनीकरण के लिए पौधे लगा रही है। इस संबंध में उन्होंने क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक स्मिता पंकज से विचार विमर्श किया। सहमति मिलते ही उन्होंने प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया है। स्वीकृति मिलते ही सबसे पहले अपना ड्रोन खरीदा जाएगा। इसके बाद हेलीकाप्टर का उपयोग किया जाएगा। डीएफओजमशेदपुर के डीएफओ सबा आलम अंसारी ने बताया कि उन्होंने निश्चय किया है कि जमशेदपुर के जंगलों में फलदार पौधे लगाया जाएं।

**बीबीएमकेयू में बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का अनावरण,**

# राज्यपाल और सीएम हेमंत सोरेन हुए शामिल

**धनबाद, एजेंसी।** बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में मंगलवार को पूर्व घोषित प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप राज्यपाल संतोष गंगवार और विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से बीबीएमकेयू परिसर में स्थापित बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का अनावरण किया। कुलपति ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, सांसद सीपी चौधरी, विधायक राज सिन्हा, जयराम महतो, अरूप चटर्जी, जयमंगल सिंह, शत्रुघ्न महतो, चंद्रदेव महतो, उमाकांत रजक, मथुरा महतो और पूर्व मंत्री बेबी देवी उपस्थित रहे।

**शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम जोड़ने का काम किया: सीएम हेमंत सोरेन:** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान और उनके नाम को सजाने के काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस दिन का लंबे समय से उन्हें और सभी को इंतजार था। सीएम ने कहा कि इस राज्य की जो भौगोलिक संरचना है, उसके अनुरूप शिक्षा व्यवस्था के लिए नई-नई पहल की जा रही है। सीएम ने कहा कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम जोड़ने का काम किया है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि 2014 के कार्यकाल में हजारीबाग विश्वविद्यालय से हटाकर कोयलांचल में एक अलग विश्वविद्यालय बने, इसकी परिकल्पना उन्होंने ही की थी। आज बिनोद बिहारी महतो विश्वविद्यालय झारखंड के बच्चों के भविष्य को निखारने में निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी जानते हैं यह राज्य एक आंदोलन की उपज है। राज्य को अलग करने के लिए मूलवासियों और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

**राज्य के चौक चौराहे वीर सपूतों के नाम से जाना जाता है: सीएम हेमंत सोरेन :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के अंदर अलग-अलग गली कस्बों और चौक-चौराहों को हमारे वीर सपूतों के नाम से जाना जाता है। कहीं उनकी मूर्तियां हैं तो कहीं फोटो लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कई ऐसे चौराहे हैं, जो आज भी महापुरुषों की मूर्ति लगने का इंतजार कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो का सपना आज पूरा होता हुआ दिख रहा है। सीएम ने बिनोद बिहारी महतो के ऐतिहासिक पहलुओं के बारे में मंच से लोगों को बताया।

**संसद में बिनोद बिहारी के साथ रहे: राज्यपाल संतोष गंगवार :** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल सतोष गंगवार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में झारखंड को और भी आगे ले जाना है। उन्होंने कहा कि वे बिनोद बिहारी के साथ संसद में रहे। राज्यपाल ने कहा कि वे बिनोद बिहारी और उनके परिवार के साथ अच्छे से परिचित हैं। उन्होंने कहा कि बिनोद बिहारी महतो की सक्रियता और सोच का परिणाम है। उन्होंने समाज में शिक्षा को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि बिनोद बिहारी की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को यह स्मरण कराते रहेगी। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि उच्च शिक्षा में राज्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। लेकिन उम्मीद है कि यह विश्वविद्यालय इस दिशा में बेहतर करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में देश कैसे आगे बढ़े लोगों की इसकी चिंता होनी चाहिए। विद्यार्थियों का कार्य पढ़ना, शिक्षक का कार्य उन्हें पढ़ाना और अधिकारियों का कार्य है कि वे पुल की तरह काम करें।

## झारखंड में उच्च माध्यमिक शिक्षा के नामांकन अनुपात से बढ़ी केंद्र की चिंता, जीईआर 50 फीसदी से भी कम

**रांची, एजेंसी।** झारखंड में उच्च माध्यमिक शिक्षा (11वीं-12वीं) में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) महज 41.3 प्रतिशत है। हालांकि, स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर झारखंड में नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से कम है, लेकिन उच्च माध्यमिक स्तर पर यह काफी कम है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने इसमें सुधार को लेकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश राज्य सरकार को दिए हैं। समग्र शिक्षा अभियान के चालू वित्तीय वर्ष के बजट स्वीकृति को लेकर केंद्र में हुई प्रोग्राम अप्रूवल बोर्ड (पैब) की बैठक में झारखंड में स्कूली शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात की स्थिति पर चिंता प्रकट की गई।

साथ ही नामांकन अनुपात बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में यह बात सामने आई कि झारखंड के विद्यालयों में में निचली कक्षाओं में तो नामांकन अनुपात ठीक रहता है, लेकिन ऊपरी कक्षाओं में अनुपात में गिरावट आने लगती है। प्लस टू स्तर पर तो नामांकन अनुपात 50 प्रतिशत से भी कम रह जाता है। केंद्र ने राज्य में ड्राप आउट में भी कमी लाने के निर्देश दिए हैं।

झारखंड के उत्क्रमित प्राथमिक शिक्षा स्तर पर ड्राप आउट रेट नौ प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 5.2 प्रतिशत ही है।

## रांची टाटा रोड पर मिले बाघ के पंजों के निशान, वन विभाग चला रहा सर्च अभियान

**खूंटी , एजेंसी।** रांची-टाटा मेन रोड पर बाघ के पंजो के निशान मिले हैं। इससे लोगों में हड़कंप मच गया है। वन विभाग की टीम लगातार जंगलों में सर्च अभियान चला रही है। वहीं ग्रामीण भयभीत हैं। वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, 10 दिनों के बाद फिर से विभाग को बाघ की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसपर वन विभाग ने पूरी सतर्कता के साथ रांची टाटा मुख्य मार्ग के किनारे जंगलों में सर्च अभियान चलाया। जहां एनएच 33 स्थित रईसा मोड़ के हर्बल जंगल के पास बाघ के पगमार्क मिले। सड़क किनारे पगमार्क मिलने की सूचना पर ग्रामीण भयभीत हैं। खूंटी वन प्रमंडल के वनकर्मियों को सूचना मिली थी कि बाघ रांची प्रमंडल के जंगल से निकलकर रांची टाटा मुख्य मार्ग को पार कर फिर से रांची वन प्रमंडल के जंगल की ओर चला गया है। सूचना पर वनपाल प्रभात कुमार पाढ़ी, नितेश केशरी, रोशन श्रीवास्तव, अनल सिंह मुंडा, सिप्रिन टूटी व वन विभाग के कर्मियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मौके पर बाघ के दर्जनों पंजों के निशान मिले, जिससे बाघ के मौजूद होने की आशंका बढ़ गई है। हालांकि अभी तक किसी ने बाघ को नहीं देखा है। इसके बावजूद वन विभाग पूरी सतर्कता के साथ बाघ की खोज कर रहा है। अब तक वन विभाग की टीम को बाघ नहीं मिला है और न ही किसी ग्रामीण ने उसे देखा है। 20 दिन पहले खूंटी के मारंगहादा के जंगलों में दो जानवरों को खाने के बाद बाघ ने रांची के नामकुम इलाके में एक जानवर का शिकार किया था। उसके बाद बाघ ने किसी जानवर का शिकार नहीं किया। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाघ जंगल में मौजूद जानवरों का शिकार कर उन्हें खा रहा है। 10 दिन बाद फिर से बाघ की मौजूदगी की सूचना पर वन विभाग पूरी तरह अलर्ट है और आसपास रहने वाले ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है। बाघ के पगमार्क मिलने की पुष्टि करते हुए खूंटी प्रमंडल के रेंजर सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वन विभाग को बाघ के पगमार्क मिलने की सूचना मिली है।

## आंधी-पानी से ब्लैक आउट जैसे हालात:कई लाइन ब्रेक डाउन

**रांची, एजेंसी।** दिन में एक घंटे की आंधी-बारिश एवं आउट ने एक बार फिर से रांची की बिजली आपूर्ति व्यवस्था को आउट कर दिया। बिजली आपूर्ति उपकरणों को भारी क्षति पहुंचाई। रांची के कई इलाकों में इसके बाद ब्लैक आउट जैसे हालात रहे। देर रात तक कई क्षेत्रों में बिजली बहाल नहीं हो सकी। 33 केवी सिरमो लाइन के बिजली खंभे हवा में उड़ गए। इसके कारण बीआईटी, विकास व आसपास के क्षेत्र में देर रात तक बिजली बहाल नहीं हो सकी। जेबीवीएनएल के इंजीनियर और कर्मी की टीम बिजली खंभे को फिर से खड़ा करने के प्रयास में जुटी रही। मगर इसमें काफी समय लगने के कारण देर रात तक बिजली चालू नहीं की जा सकी। यही हाल 11 केवी एयरपोर्ट फीडर और एदलहातू क्षेत्र का रहा।

एयरपोर्ट फीडर से पूरे हिनू इलाके में पहले लाइन ब्रेकडाउन होने के कारण दो बजे तक फिर बारिश शुरू होने के बाद रात साढ़े बजे तक बिजली नहीं रही। 33 हजार कांके-राजभवन लाइन ब्रेक डाउन होने के कारण राजभवन के कई फीडर और कांके के कई फीडर रोटेशन के तहत चले। देर रात इसे दुरुस्त करके बिजली बहाल की जा सकी। यह फॉल्ट मोरहाबादी के निकट आया था।

मौसम-बिजली की मार : वाटर सप्लाई में अघोषित राशनिंग की स्थिति

बारिश, आंधी के कारण उत्पन्न बिजली संकट ने वाटर सप्लाई पर भी अघोषित राशनिंग की स्थिति बना दी है। एक दिन बीच कर शहर में वाटर सप्लाई हो रही है। मंगलवार को रूक्का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में मामूली पावर कट को छोड़ बिजली आपूर्ति सामान्य रही। मामला प्रकाश में आने के बाद वाटर सप्लाई की स्थिति में सुधार देखा गया।

कहां क्या हुआ, कौन से क्षेत्र रहे प्रभावित

11 केवी एवं 33 केवी लाइन ब्रेकडाउन होने से कतारी बगान चुटिया, शारदा बाबू लेन रातू रोड, चुट्टू, नीमटांड़, आयशा नगर, चर्च रोड आदि इलाके प्रभावित रहे।

33 हजार कांके- राजभवन लाइन ब्रेक डाउन हो गया। इसके कारण राजभवन के वीआईपी फीडर को छोड़ अन्य सभी फीडर को रोटेशन के तहत बिजली मिली।

कोकर साधु मैदान के पास आंधी में पेड़ बिजली तार पर गिर गया। जिससे कोकर क्षेत्र में बिजली ठप रही। मरम्मत के नाम पर थड़पकना, खोरहा टोली में बिजली नहीं रही।

6सिरमो फीडर के 33 हजार केवी के पोल गिर गए, नया पोल लगाने का काम शाम में शुरू हुआ। बीआईटी, विकास के बड़े एरिया में देर रात तक बिजली नहीं रही।

# चतरा के कटिया गांव में गहराया जल संकट, दूषित पानी पीने से बढ़ा बीमारियों का खतरा

**चतरा, एजेंसी।** झारखंड में भीषण गर्मी जारी है. पारा लगातार चढ़ रहा है. जिसके चलते विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल यानी पानी का संकट गहराता जा रहा है. चतरा के लावालौंग प्रखंड के अंतर्गत कटिया कटहल टोला में पानी की समस्या ने ग्रामीणों की जिंदगी को मुश्किल में डाल दिया है. भीषण गर्मी के दौर में जहां हर तरफ जल संकट हावी है, दूसरी ओर कटिया गांव के लोग न केवल पीने के लिए स्वच्छ पानी से वंचित हैं बल्कि नहाने, खाना बनाने और बर्तन धोने जैसे दैनिक कार्यों के लिए भी नदी और चुआं में मौजूद दूषित पानी पर निर्भर हैं. यह स्थिति न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भी दर्शाती है कि सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना, इस क्षेत्र में कितनी विफल रही है।

ग्रामीणों की शिकायतें, अधिकारियों की लापरवाही और ठेकेदारों के गैर जिम्मेदाराना रवैये ने समस्या को और गंभीर बना दिया है. कटिया गांव का हरिजन टोला, जहां पर दर्जनों परिवार रहते हैं, पानी की कमी से जूझ रहा है. ग्रामीण एकमात्र चूआं पर निर्भर हैं जो नदी के किनारे स्थित है. इस चूआं का पानी न केवल दूषित है, बल्कि इसे हासिल करने के लिए, ग्रामीणों को आधा किलोमीटर दूर जाना पड़ता है।

गांव में रहने वाले परमेश्वर भुइयां, अमित भुइयां, जगनी देवी और बसंती देवी जैसे ग्रामीणों ने बताया कि दूषित पानी का उपयोग वह न केवल पीने के लिए करते हैं, बल्कि खाना बनाने और बर्तन धोने जैसे कार्यों के लिए भी कर रहे हैं. महिलाओं को विशेष रूप से नहाने और धोने के लिए, नदी तक का लंबा सफर तय करना पड़ता है, जिससे उनकी दिनचर्या बुरी तरह से प्रभावित होती है।

गांव में रहने वाली ललिता देवी ने बताया कि सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत जल मीनार और नल जल योजना की शुरुआत तो की है, लेकिन ठेकेदारों ने पुराने बोरिंग में ही मोटर सेट कर दिया. जिसके कारण न तो चापाकल से पानी मिल रहा है और न ही जल मीनार से. इस वजह से गांव में लगे चापाकल और जलमीनार बंद हैं. उन्होंने बताया कि जलस्तर के नीचे चले जाने से यहां की स्थिति और भी भयंकर हुई है।

इस मामले में ग्रामीणों का कहना है कि उनकी आवाज प्रशासन तक नहीं पहुंच पाती है क्योंकि उनकी कोई खास पहुंच नहीं है. मीना और अनीता देवी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जल मीनार लगने के बावजूद उन्हें एक बूंद पानी नसीब नहीं हुआ है. जल जीवन मिशन, जिसे केंद्र सरकार ने 15 अगस्त 2019 को शुरू किया था, का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

इस योजना के तहत पाइपलाइन और जल मीनार जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं लेकिन कटिया गांव की स्थिति, इस योजना की विफलता को उजागर करती है. ग्रामीणों का कहना है कि जल मीनार और चापाकल तो लगाए गए लेकिन रखरखाव और तकनीकी खामियों के कारण ये सुविधाएं बेकार हो चुकी हैं. गांव के ही अमित कुमार बताते हैं कि नेता, चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन चुनाव जीतने के बाद गांव की सुध लेने नहीं आते हैं।

दूषित पानी पीने के कारण गांव में कई बीमारियां भी फैल रही हैं, जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है. इधर मीना देवी ने कहा कि सुबह होते ही पानी की समस्या सताने लगती है. दूषित पानी से खाना बनाना, उनकी मजबूरी बन चुकी है. उन्होंने सरकार से अपील की है कि गांव में कम से कम एक चापाकल उपलब्ध कराया जाए, ताकि स्वच्छ पानी की समस्या कुछ हद तक कम हो सके।

## तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटी में मारी जोरदार टक्कर, भाजपा नेता की हुई मौत

**कर्रा, एजेंसी।** कर्रा-गोविंदपुर मुख्य सड़क पर जरियागढ़ थानांतर्गत तिलमी बाजारटांड़ के समीप सोमवार शाम लगभग 5ः15 बजे एक तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से भाजपा गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष रामध्यान सिंह की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार 60 वर्षीय रामध्यान सिंह तिलमी बाजार से अपनी स्कूटी से अपने घर मास्को लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटी को पीछे से अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल भाजपा नेता को तत्काल 108 एंबुलेंस से सीएचसी कर्रा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कर्रा बीडीओ स्मिता नागेशिया, सीओ वंदना भारती, कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विष्णु प्रसाद सोनी, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता, शिवकुमार सिंह, बालकिशून महतो, अखिलेश गोप, रिंकू भगत सहित सैकड़ों लोग सीएचसी कर्रा पहुंचे और मामले की जानकारी लेते हुए दुख जताया।जानकारी के अनुसार स्कूटी को चपेट में लेने वाला बोलेरो वाहन दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल का है। बोलेरो में स्कूटी का आधा भाग घुसा हुआ है। बोलेरो चालक को जरियागढ़ थाना की पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को जब्त कर लिया है।मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के रामध्यान सिंह की गिनती क्षेत्र में एक अच्छे नेता के रूप में थी। भाजपा के वे समर्पित कार्यकर्ता थे।

# झारखंड में जेएमएम को मिल गया बीजेपी के खिलाफ बड़ा हथियार ! अब इस मुद्दे पर हेमंत सरकार बिछाएगी जाल

**रांची, एजेंसी।** आदिवासियों की मिनी असेंबली कही जाने वाली जनजातीय परामर्शदातृ पर्षद (टीएसी) की बैठक बुधवार, 21 मई को निर्धारित है। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे।

इस बैठक से भाजपा ने दूरी बना ली है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल के अधिकारों को दरकिनार कर टीएसी का गठन किया गया है। पूर्व में भी भाजपा टीएसी की बैठक का बहिष्कार करती रही है।

आदिवासियों के विविध मसले पर होने वाली बैठक से भाजपा की दूरी ने सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को भाजपा पर प्रहार करने का हथियार दे दिया है।

झामुमो आदिवासियों की अनदेखी का आरोप भाजपा पर लगाती रही है। चुनावों में भाजपा आदिवासी सुरक्षित सीटों पर बुरी तरह पिट चुकी है।

पिछले वर्ष संपन्न लोकसभा चुनाव में सभी पांच आदिवासी सुरक्षित सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

28 में से सिर्फ एक आदिवासी सुरक्षित सीट पर भाजपा प्रत्याशी को सफलता मिली। टीएसी की बैठक से भाजपा की दूरी पर झामुमो ने कहा है कि भाजपा का कदम आश्चर्यजनक नहीं है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा को आदिवासियों-मूलवासियों से परेशानी है। आदिवासी हित की बजाय इनकी नजर सिर्फ आदिवासियों की जमीन पर रहती है। यही कारण है कि रघुवर दास के शासनकाल में सीएनटी-एसपीटी एक्ट से छेड़छाड़ की कोशिश की गई। प्रबल विरोध के कारण भाजपा अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाई।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा है कि भाजपा ने आदिवासी परामर्शदातृ समिति (टीएसी) की बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

टीएसी का गठन सदैव राज्यपाल के संरक्षण में करने की परंपरा रही है, जिसे इस राज्य सरकार ने तोड़ दिया है। कहने को तो यह संस्था आदिवासियों के हित में निर्णय लेकर सरकार को परामर्श देने के लिए बनी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में टीएसी की बैठकों का कुछ खास परिणाम नहीं दिख रहा है।

टीएसी में सरकार के पास बहुमत है, लेकिन फिर भी कई वर्षों से पेसा समेत आदिवासी समाज के कई मामलों का फंसे रहना सरकार के ढुलमुल रवैये को दर्शाता है।

# रांची में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी पूरी, 25 मई को 48 केंद्रों पर होगी परीक्षा

**रांची, एजेंसी।** संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को बैठक आयोजित की गई. राजधानी के मोरहाबादी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में ब्रीफिंग बैठक की अध्यक्षता दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र ने की. रांची जिला में कुल 48 परीक्षा केंद्रों पर 25 मई को यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी. आयुक्त ने सभी पदाधिकारियों को समय पर प्रश्नपत्र, उत्तरपुस्तिकाएं और अन्य दस्तावेजों को सुरक्षित रूप से संबंधित केंद्रों तक पहुंचाने व वापस जीपीओ में जमा कराने का निर्देश दिया।

इस बैठक में निर्देश दिया गया कि सभी केंद्रों पर विधि-व्यवस्था के लिए स्टैटिक दंडाधिकारी के साथ चार पुलिस बल, एक महिला समेत विशेष पुलिस टीम तैनात रहेगी. मेटल डिटेक्टर से फ्रिस्किंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

इसको लेकर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि परीक्षा के दौरान यूपीएससी के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो. इसके साथ ही सभी जरूरी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी, शौचालय, ओ आर एस व नींबू पानी हर केंद्र पर उपलब्ध हो. सभी परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण की जिम्मेदारी स्थानीय निरीक्षण पदाधिकारियों को दी गई है. परीक्षा के बाद उपस्थिति विवरणी, जैमर रिपोर्ट और निरीक्षण प्रतिवेदन नियंत्रण कक्ष में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं. यूपीएससी परीक्षा के लिए के. श्रीनिवासन, मनोज कुमार और उमा शंकर सिंह को पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया गया है. इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला दंडाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## सुभाषितम्

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए। - रामायण

# जज भी कॉलेजियम से प्रताड़ित?

हाल ही में इंदौर हाईकोर्ट के जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की विदाई के अवसर पर जस्टिस रमना की भावुक प्रतिक्रिया ने न्यायपालिका की कॉलेजियम को लेकर एक बड़े सवाल को जन्म दे दिया है। क्या ईमानदार और निष्पक्ष न्यायाधीश कॉलेजियम प्रणाली की आंतरिक राजनीति और न्यायपालिका के सत्ता संघर्ष का शिकार हो रहे हैं? दरअसल जस्टिस रमना ने विदाई समारोह में कहा, कि जब उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार थीं। तब उन्हें आंध्रा से मध्य प्रदेश स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह तबादला वरिष्ठताक्रम एवं तंग करने के उद्देश्य से किया गया था। एक वरिष्ठ न्यायाधीश की ओर से कॉलेजियम के लिए इस तरह की प्रतिक्रिया आना केवल व्यक्तिगत पीड़ा का प्रकटीकरण नहीं हो सकता है, बल्कि यह न्यायिक व्यवस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली की सियासत को भी उजागर करता है। कॉलेजियम प्रणाली का उद्देश्य न्यायपालिका को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाए रखना है। हाल के वर्षों में कॉलेजियम की व्यवस्था विवादों में घिरी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की वरिष्ठता मे अनदेखी, नए जजों की नियुक्ति में सरकार और कॉलेजियम के बीच का संघर्ष, ट्रांसफर और पोस्टिंग के जरिए चहेते जजों को आगे करने के लिए कॉलेजियम के साथ-साथ सरकार की पारदर्शिता एवं राजनीतिक कारणों से नए जजों की नियुक्ति में विचारधारा के आधार पर निर्णय लेने, व्यक्तिगत पूर्वाग्रह जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। जस्टिस रमना का अनुभव यह दशार्ता है, कैसे एक ईमानदार न्यायाधीश, जो अपने काम में ईमानदारी और न्यायप्रियता के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए जाने जाते हैं, वह कॉलेजियम और सरकार की संस्थागत राजनीति का शिकार हो रहे हैं। जिसके कारण न्यायपालिका में लगातार विश्वास की कमी पैदा हो रही है। न्यायमूर्ति रमना की यह प्रतिक्रिया न्यायिक जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करती है। एक न्यायाधीश को तंग करने अथवा उसके जायज हकों को प्रभावित करने के लिए उसे स्थानांतरित किया जा सकता है। यह कृत्य न्यायपालिका की साख को नुकसान पहुंचाता है। आम नागरिकों के भरोसे को भी डगमगाता है। सरकार भी इसका फायदा उठाती है। जजों की इस लड़ाई की बंदर-बाँट में पिछले कुछ वर्षों से सरकार ने न्यायाधीशों की नियुक्ति, ट्रांसफर, पोस्टिंग में जिस तरह की ताकत दिखाना शुरू कर दी है, कॉलेजियम की अनुशंसा को नजर अंदाज करते हुए या तो जजों की नियुक्ति नहीं की है या जिन जजों की नियुक्ति सरकार ने चाही है, वह सरकार ने की है, इससे कॉलेजियम की साख में भी धब्बा लगा है। भारत की न्यायपालिका को कॉलेजियम और जजों के काम करने के तौर तरीके को लेकर आत्म निरीक्षण की आवश्यकता है। कॉलेजियम को अपनी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ जवाबदेही को प्राथमिकता देनी होगी। न्यायाधीशों के स्थानांतरण और पदोन्नति के निर्णयों में न्यायाधीशों की आंतरिक राजनीति, अहंकार या गुटबंदी अथवा सरकार हावी हो जाएगी। इससे न्यायपालिका की संस्थागत विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुंचना तय है। अब समय आ गया है जबकि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और कॉलेजियम लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप स्वयं को ढालें। जब न्यायपालिका के ही जज पीड़ा और अन्याय की बात करेंगे तो सवाल उठेंगे और यह मामला किसी एक जज का नहीं है। पिछले एक दशक में कई बार जज सार्वजनिक रूप से सामने आकर कार्य प्रणाली को लेकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की बार एसोसिएशन भी समय-समय पर अपनी पीड़ा व्यक्त कर चुके हैं। यह स्थिति समूची न्यायपालिका की साख पर चोट पहुंचाने वाली है। न्यायपालिका का काम न्याय देना ही नहीं है, न्याय व्यवस्था पर आम आदमी का विश्वास भी हो, न्याय पालिका के लिए यह सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में एक धारणा यह भी बनने लगी है, कानून के नाम पर जिस तरह से आम आदमियों को प्रताड़ित किया जा रहा है उसे रोक पाने में न्याय पालिका की भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। जो कुछ वर्षों पहले तक देखने को मिलती थी। न्याय पालिका अब सरकार के दबाव में काम करती हुई दिख रही है। आम लोगों को न्याय पालिका से जो न्याय मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है। लोग कई वर्षों से जेलों में बंद पड़े हुए हैं। कई वर्षों तक उनकी चार्जशीट न्यायालय में पेश नहीं की जा रही है। इसके बाद भी न्यायालय से उन्हें जमानत नहीं मिल रही है। इसको लेकर आम जनमानस के बीच में यह धारणा बनने लगी है।

## चिंतन-मनन

### कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता। सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता। वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है। इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

# जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का गहराता संकट

- योगेश कुमार गोयल

मानवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी पर जैव विविधता पर गंभीर संकट मंडरा रहा है और जीव-जंतुओं, वनस्पतियों इत्यादि की अनेक प्रजातियां तेजी से लुप्त होती जा रही हैं। जीव-जंतु और वनस्पति ही धरती पर बेहतर और जरूरी पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं लेकिन प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। अनेक शोधों से यह चिंताजनक तथ्य सामने आ चुका है कि पृथ्वी का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद खराब हो चुका है। मानवीय दखल से दूर रहने के कारण और स्थानीय जनजातीय लोगों की भूमिका के चलते धरती का केवल तीन प्रतिशत हिस्सा ही पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित रह गया है। जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने तथा धरती पर मौजूद जंतुओं और पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को एक खास थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का इस वर्ष का विषय है ह्यप्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकासह्ल, जो न केवल पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करता है बल्कि जैव विविधता और सतत विकास के बीच गहरे अंतसंबंध को भी उजागर करता है।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ एरिजोना के शोधकताओं का मानना है कि अगले पांच दशकों में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की प्रत्येक तीन में से एक यानी एक तिहाई प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। शोधकताओं ने दुनियाभर के छह सौ स्थानों पर पांच सौ से ज्यादा प्रजातियों पर एक दशक तक अध्ययन करने के बाद पाया कि अधिकांश स्थानों पर 44 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं। इस अध्ययन में विभिन्न मौसमी कारकों का अध्ययन करने के बाद शोधकताओं इस नतीजे पर पहुंचे कि यदि गर्मी ऐसे ही बढ़ती रही तो 2070 तक दुनियाभर में कई प्रजातियां खत्म हो जाएंगी। ब्रिटेन स्थित स्मिथसोनियन एनवायरनमेंटल रिसर्च सेंटर के मुताबिक विश्व के केवल 2.7 प्रतिशत हिस्से में ही अप्रभावित जैव विविधता बची है, जो बिल्कुल वैसी ही है, जैसी पांच सौ वर्ष पूर्व हुआ करती थी। इन क्षेत्रों में सदियों पहले जो पेड़-पौधे और जीव पाए जाते थे, वे प्रजातियां आज भी मौजूद हैं। जो अप्रभावित जैव विविधता वाला क्षेत्र बचा है, वह भी जिन-जिन देशों की सीमाओं के अंतर्गत आता है, उनमें से केवल 11 प्रतिशत क्षेत्र को ही संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। अप्रभावित जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से अधिकांश इलाके उत्तरी गोलार्ध में आते हैं, जहां मानव उपस्थिति कम रही है, लेकिन अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ये जैव विविधता से समृद्ध नहीं थे।

इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आइयूसीएन) एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में वन्यजीवों और वनस्पतियों की हजारों प्रजातियां संकट में हैं और आने वाले समय में इनके विलुप्त होने की संख्या तथा दर में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। आइयूसीएन ने करीब एक लाख पैंतीस हजार प्रजातियों का आकलन करने के बाद इनमें से सैंतीस हजार चार सौ प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर मानते हुए खतरे की सूची में शामिल किया था। आइयूसीएन के अनुसार नौ सौ से ज्यादा जैव प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और 37 हजार से ज्यादा प्रजातियों पर विलुप्त होने का संकट मंडरा रहा है। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी भी दुनिया के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा बनकर उभरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्वाधिक तस्करी स्तनधारी जीवों की होती है। वन्यजीव तस्करी में 22 प्रतिशत तस्करी के मामले रेंगने वाले जीवों के और 10 प्रतिशत पक्षियों के होते हैं जबकि पेड़-पौधों की तस्करी का हिस्सा 14.3 फीसद है। स्टेट ऑफ वर्ल्ड बर्ड्स नामक एक रिपोर्ट में यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि दुनिया में पक्षियों की करीब 39 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या स्थायी है और मात्र 6 प्रतिशत प्रजातियां ही ऐसी हैं, जिनकी संख्या बढ़ रही है, जबकि 48 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। पक्षियों की प्रजातियों की संख्या में गिरावट को भारत के संदर्भ में देखें तो भारत में जहां 14 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं केवल 6 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या ही स्थिर है जबकि 80 प्रतिशत प्रजातियां कम हुई हैं। इनमें से 50 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में भारी गिरावट और 30 प्रतिशत प्रजातियों में कम गिरावट दर्ज की गई है।

सालाना पक्षी गणना में अब प्रतिवर्ष पक्षियों की संख्या और विविधता में गिरावट आ रही है, जिसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और जंगलों का कटना है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में पक्षियों पर हुए शोध के नतीजे भी चौंकाने वाले हैं। वहां वन क्षेत्रों में मानवीय दखल, वनों की कटाई और तेजी से बढ़ते प्रदूषण के कारण पक्षियों की संख्या में 60-80 प्रतिशत तक की कमी आई है। पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक जैव विविधता के क्षरण का सीधा असर भविष्य में कृषि, खाद्य पैदावार इत्यादि पर पड़ेगा। इसलिए पृथ्वी पर जैव विविधता को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है कि हम पर्यावरणीय संतुलन को न बिगड़ने दें। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस प्रकार जंगलों में अतिक्रमण, कटाई, बढ़ता प्रदूषण और पर्यटन के नाम पर गैर जरूरी गतिविधियों के कारण पूरी दुनिया में जैव विविधता पर संकट मंडरा रहा है, वह पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का स्पष्ट संकेत है और यदि इसमें सुधार के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में बड़े नुकसान के तौर पर इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा।

विकास के नाम पर यदि वनों की कटाई बदस्तूर जारी रही और जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे तो ये प्रजातियां धरती से एक-एक कर लुप्त होती जाएंगी और भविष्य में इससे पैदा होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना समस्त मानव जाति को ही करना होगा।

बहरहाल, शोधकताओं का पृथ्वी पर जैव विविधता के अस्तित्व पर मंडराते संकट को लेकर कहना है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं जबकि कुछ अन्य कारणों में दूसरे जानवरों का हमला और बीमारियां शामिल हैं।

# विदेशी शक्तियों के दबाव में परमाणु बिजली संयंत्र से लाखों लोगों का जीवन खतरे में

- सनत जैन

भारत के इतिहास में 20 मई 2025 का दिन एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो सकता है। भारत सरकार ने एक ऐसा फैसला लिया है। जो देश के नागरिकों के लिए खतरनाक और आत्मघाती साबित हो सकता है। विदेशी पूंजीपतियों और अंतरराष्ट्रीय दबाव के सामने भारत सरकार के घुटने टेकने जैसा है। भारत सरकार का यह फैसला परमाणु बिजली घरों से संबंधित है। जो विदेशी कंपनियां भारत में परमाणु बिजली संयंत्र लगाएंगे, उसमें दुर्घटना की स्थिति में मुआवजे की जिम्मेदारी कंपनियों की नहीं होगी। कंपनियों को भारत सरकार द्वारा इसमें छूट देने का प्रावधान किया गया है। सरकार का यह फैसला भारत की आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिति के लिए आत्मघाती कदम माना जा रहा है। सरकार का यह फैसला लाखों लोगों की जिंदगी को खतरे में डालने का है।

परमाणु बिजली घरों के मुआवजा कानून मे यह बदलाव अपने ही पैरों में अपने हाथों से कुल्हाड़ी मारने जैसा है। 2010 में तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट लागू किया था। इस कानून के तहत, यदि परमाणु बिजली घर में कोई दुर्घटना होती है। ऐसी स्थिति में ऑपरेटर करने वाली कंपनी की अधिकतम जिम्मेदारी 1500 करोड़ रुपये और सरकार के 1100 करोड़ रुपये इस तरह कुल सहायता 2600 करोड़ रुपये के मुआवजा का प्रावधान किया गया था। यह राशि पहले भी बहुत कम थी. परमाणु दुर्घटना के प्रभाव इतने घातक और व्यापक होते हैं। उक्त राशि पीड़ितों के लिए पर्याप्त नहीं है। 2011 में जापान के फुकुशिमा हादसे में 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा पीड़ितों को दिया गया था। जापान में 1.6 लाख लोग परमाणु रिसाव के बाद विस्थापित हुए थे। वर्तमान मोदी सरकार ने पुराने कानून में संशोधन कर विदेशी और निजी कंपनियों को मुआवजे की जिम्मेदारी से पूरी तरह मुक्त कर दिया है। नए नियमों के तहत, परमाणु संयंत्र में यदि कोई दुर्घटना होती है। तो सरकारी कंपनी जैसे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड जिम्मेदार होगी। जबकि इसका उन परमाणु संयंत्र से लाभ और हानि का कोई लेना-देना नहीं होगा। सरकारी कंपनी भारतीय कर दाताओं के पैसे से मुआवजा देने के लिए जिम्मेदार होगी। भारत में परमाणु संयंत्र लगेगा, इसमें यदि कोई दुर्घटना होगी। उसमें भारतीय नागरिक मरेंगे, उन्हें ही आर्थिक और शारीरिक नुकसान होगा। मुआवजा भी देशवासियों के टैक्स से ही दिया जाएगा। भारतीय जनता के साथ यह एक ऐसा विश्वास घात है, जो जनता के हितों को ताक पर रखकर सरकार विदेशी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाला है।

भारत में परमाणु बिजली घरों की आवश्यकता पर सवाल उठना लाजमी है। परमाणु बिजली संयंत्रों से महंगी कीमत पर उपभोक्ता को बिजली मिलेगी। और खतरे भी सबसे ज्यादा होंगे। परमाणु बिजली की लागत अन्य स्त्रोतों की तुलना में कहीं अधिक है। परमाणु बिजली की लागत 9 से 12 रुपये प्रति यूनिट है। कोयले से बनी बिजली की भारत में लागत 4से 6 रुपये प्रति यूनिट है। सौर ऊर्जा 2 से 3.5 रुपये प्रति यूनिट उपलब्ध है। एक परमाणु बिजली घर को बनने में 15 साल का समय लगता है। जबकि थर्मल या सौर ऊर्जा संयंत्र एक से दो साल में तैयार हो जाते हैं। भारत जैसे देश में, जहां 300 दिन सूर्य की रोशनी उपलब्ध है, सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वस्थ और सस्ते विकल्प मौजूद हैं। फिर भी, सरकार परमाणु बिजली घरों को प्राथमिकता दे रही है। जो बहुत महंगे हैं। पर्यावरण और मानव जीवन के लिए खतरनाक हैं। परमाणु कचरे का निपटान भी बड़ी चुनौती है, परमाणु कचरे के निपटान का ठोस समाधान भारत के पास नहीं है। परमाणु संयंत्र का कचरा 10,000 साल तक रेडियोधर्मी रहता है। भूमि, जल, और समुद्री जीवन को स्थायी रूप से हजारों वर्ष तक नुकसान पहुंचा सकता है।

### वैश्विक परिदृश्य मे भारत

दुनिया भर के देश परमाणु ऊर्जा से दूरी बना रहे है। जापान ने फुकुशिमा हादसे के बाद 2011 में परमाणु ऊर्जा को सीमित करने का फैसला लिया। जर्मनी 2023 तक पूरी तरह परमाणु-मुक्त हो चुका है। इसके विपरीत,भारत में जयतापुर (महाराष्ट्र) और कुडनकुलम (तमिलनाडु) जैसे भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में परमाणु बिजली घर स्थापित किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में सुनामी या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं परमाणु संयंत्र के लिए नुकसानदेह है। भारत में पहले से ही 23 परमाणु बिजली घर हैं, जो सरकारी कंपनी न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित हैं। जो सुरक्षित माने जाते हैं। फिर भी, सरकार विदेशी कंपनियों को पुरानी और जोखिम भरी तकनीक के साथ बिजली घर स्थापित करने की अनुमति दे रही है। जबकि दुनिया के अन्य देश से बाहर निकल रहे हैं। अमेरिका की वेस्टिंगहाउस, फ्रांस की ईडीएफ, और रूस की रोसाटॉम जैसी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार ने यह नीति बनाई है। जिससे भारत को पुरानी तकनीक के परमाणु संयंत्र का डंपिंग ग्राउंड भारत को बनाया जा रहा है।

### पर्यावरण और आम जनता पर जोखिम

परमाणु बिजली घरों का निर्माण तटीय क्षेत्रों में किया जा रहा है। जिसके कारण जैव विविधता और समुद्री जीवन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। जयतापुर और कोंकण जैसे क्षेत्रों में स्थानीय लोगों ने परमाणु संयंत्रों का भारी विरोध किया। उनकी आवाज को दबा दिया गया था। वर्तमान सरकार ने जो बदलाव किए हैं उसमें पर्यावरण प्रभाव आकलन 2020 की अनिवार्यता को समाप्त करने का प्रस्ताव किया गया है। परमाणु संयंत्र लगाने वाले उद्यमी को पोस्ट फैक्टो क्लीयरेंस की नीति लागू की जा रही है। जिसमे पहले प्लांट लगाया जाता है। बाद में अनुमति ली जाती है। यह एक खतरनाक व्यवस्था है। जो परमाणु ऊर्जा कंपनियों की पारदर्शिता और जवाबदेही को पूरी तरह खत्म करती है।

### विदेशी दबाव मे बनी सरकारी नीति

यह फैसला स्पष्ट रूप से अमेरिका, फ्रांस, और रूस की न्यूक्लियर लॉबी के दबाव में लिया गया है, ऐसा सभी लोग मान रहे हैं। इन देशों की कंपनियां भारत में अपनी पुरानी और असुरक्षित तकनीक को स्थापित कर भारी पैसा कमाना चाहती हैं। विकसित देशों में परमाणु संयंत्रों का विरोध हो रहा है। भारत सरकार ने बिना संसद या जनता से चर्चा किए, पुराने कानून में संशोधन कर नवीन नीति लागू कर दी है। जो लोकतांत्रिक एवं मानवीय जीवन के मूल्यों के खिलाफ है। जब विदेशी समझौते होते हैं। सरकार को भारत की संसद मे विश्वास में लेने की आवश्यकता नहीं होती है। जिसका दुरुपयोग इस मामले में स्पष्ट रूप से होता हुआ दिख रहा है।

# एक कप चाय कितना महत्वपूर्ण

- संजय गोस्वामी

हर वर्ष 21 मई को अंतर्राष्टीय चाय दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक पेय पदार्थ को समर्पित नहीं है, बल्कि यह किसानों, उद्यमियों, चाय उत्पादकों और उद्यमियों की एक साझा कहानी को सम्मान देने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन की शुरूआत 2020 में की गई थी, ताकि चाय उद्योग में काम करने वाले ताइवान की मेहनत, चाय की खेती से जुड़ी स्थिरता, और चाय के वैश्विक सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को प्रमुखता दी जा सके। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक देश है और असम, दार्जिलिंग, नीलगिरि जैसी चायों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। चाय सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि रिश्ते को जोड़ने वाला माध्यम है। किसी भी अनन से भी एक कप चाय साझा करते हुए ही एक अपनापन पठने लगता है। आज जब पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन, खेती के संकट, और उपभोक्ता अशिक्षा से यात्रा कर रहे हैं, चाय दिवस हमें यह सलाहकार पर मजबूर करता है कि हम जिन छात्रों का आनंद लेते हैं, उनके पीछे किसकी मेहनत और विद्वतता जुड़ी हुई है। चाय हमारे जीवन का सिद्धांत भाग है। आज के दौर में चाय से लेकर महान मेहमान तक और क्या हो सकता है! चाय एक लोकप्रिय पेय है जिसे दुनिया भर में कई लोग पसंद करते हैं। चाय के विभिन्न प्रकार होते हैं, जैसे ग्रीन टी, ब्लैक टी, और प्लांट चाय, और इसे कई तरह से बनाया जा सकता है। चाय के कई प्रकार स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। चाय वजन कम करने के लिएःचाय वजन कम करने के नियमःखाली पेट चाय न पिएं इससे एसिडिटी हो सकती है।चाय के साथ हैवी एसिडिटी हो सकती है।चाय के साथ भारी मात्रा में चीनी न खाएंः इससे वजन कम हो सकता है। अपने देश में एक एवरेज एडल्ट रोज क्लोज 3 कप चाय पीता है। एक कप सुबह-सुबह ही, दूसरे के साथ और तीसरे तीन या शाम को। घरों में ज्यादातर चाय-दूध, चीनी और चायपत्ती के साथ बनाया जाता है, जिसे स्टॉककर तैयार किया जाता है। एक कप (250 ग्राम) दूध वाली चाय में लगभग 10 ग्राम चीनी, 50 से 60 कोलोहाइड्रा कैफीन और लगभग 2 ग्राम दूध से भरपूर हो सकती है। अगर आप एक दिन में 3 कप चाय पीते हैं, तो आप रोजाना करीब 30 ग्राम चीनी, 6 ग्राम चाय और 150 कोल्ड कैफीन का सेवन कर रहे हैं। आपके देश में एक एवरेज एडल्ट रोज करीब 3 कप चाय पीता है। एक कप सुबह-सुबह ही, दूसरे के साथ और तीसरे तीन या शाम को। घरों में ज्यादातर चाय-दूध, चीनी और चायपत्ती के साथ बनाया जाता है, जिसे स्टॉककर तैयार किया जाता है। एक कप (250 ग्राम) दूध वाली चाय में लगभग 10 ग्राम चीनी, 50 से 60 कोलोहाइड्रा कैफीन और लगभग 2 ग्राम दूध से भरपूर हो सकती है। अगर आप एक दिन में 3 कप चाय पीते हैं, तो आप रोजाना लगभग 30 ग्राम चीनी, 6 ग्राम कैफीन और 150 कोल्ड कैफीन का सेवन कर रहे हैं।चाय कई बीमारियों के कम जोखिम से भी जुड़ी है, जिसमें संज्ञानात्मक समस्याएं, हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और बहुत कुछ शामिल है। लेकिन चाय में कई अन्य पोषक तत्व और खनिज हो सकते हैं जिनके बारे में आप नहीं जानते होंगे, जो आपके स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं में महत्वरखता है हैं।

**(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)**

## आज का राशिफल

**मेष** किसी लीडरशिप रोल में हैं, तो आपके फैसले की सराहना होगी। सक्रियता से माहौल सकारात्मक रहेगा।

**तुला** आप किसी पार्टनरशिप में बिजनस कर रहे हैं तो आपसी तालमेल से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

**वृषभ** आज कार्यस्थल पर दबाव महसूस होगा और आपका काम काम में मन नहीं लगेगा।

**वृश्चिक** आज दिन अनुकूल है। आपकी मेहनत और समर्पण से ऑफिस में आपको लाभ होगा।

**मिथुन** लेकिन आपकी योजना और समय प्रबंधन से सब कुछ कंट्रोल में रहेगा।

**धनु** आज भाग्य आपके साथ है, विशेषकर करियर के मामले में आपको लाभ होगा।

**कर्क** आज दिन लाभ और तरक?की से भरा होगा। ऑफिस में आपके योगदान को सराहना मिलेगी।

**मकर** कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं जो आपके प्रमोशन का रास्ता खोलेंगी।

**सिंह** आज दिन मिलाजुला रहेगा। आपके आत्मविश्वास और संचार कौशल की परीक्षा हो सकती है।

**कुंभ** लोगों के लिए उत्तम रहेगा। आइडियाज और इनोवेशन से कंपनी में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

**कन्या** जो लोग इंटरव्यू दे रहे हैं या नई नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए दिन शुभ है।

**मीन** आज दिन लाभ से भरा होगा। ऑफिस में किसी पुराने प्रयास का फल मिल सकता है।

## विशेष

### फूट डालने में माहिर है मोदी सरकार

केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद को लेकर दुनिया के देशों में भारत की स्थिति बताने के लिए सात डेलिगेशन विदेश भेजे जा रहे हैं। इसमें चार का नेतृत्व सत्तारूढ़ दल के सांसद कर रहे हैं। 3 डेलीकेट का नेतृत्व विपक्ष के सांसद करेंगे। सरकार ने एक तीर से कई शिकार कर लिए हैं। विपक्ष विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा था। सरकार ने सांसदों को ही विदेश भेज दिया। विशेष सत्र बुलाने से सरकार बच गई । जिस तरह से डेलिकेट में विपक्षी दलों के सांसदों को शामिल किया गया है। उसमें विपक्षी दलों के बीच बिखराव भी सरकार ने पैदा कर दिया है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस शशि थरूर को लेकर अपने घाव पर मलहम लगा रही है। मीडिया हो हल्ला कर रहा है। सारा विपक्ष एक दूसरे को दोष दे रहा है। इसे कहते हैं, फूट डालो और राज करो।

### ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तानी जासूस

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया गया है। उसके साथ 6 अन्य लोग भी गिरफ्तार हुए हैं। ज्योति यूट्यूबर के रूप में काम करती है। हिंदू संगठनों से भी जुड़ी हुई है। पाकिस्तान और चीन के लिए वह जासूसी करती थी। हिसार पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। बहुत सारे सबूत पुलिस के हाथ लग गए हैं। मीडिया को समझ नहीं आ रहा है, इस जासूस की कवरेज किस तरह से करे। धर्म देखकर अभी तक जो कवरेज हो रही थी। ज्योति मल्होत्रा इससे अलग हटकर है। जिसके कारण मीडिया हैरान और परेशान है।

## कार्टून कोना

## आज का इतिहास

**1498** : वास्कोडिगामा ने कालीकट के जमोरिन से मुलाकात की. **1545** : शेर शाह का निधन. **1722** : प्रसिद्ध समाज सुधारक राम मोहन राय का जन्म हुआ. **1822** : अमरीका और कोरिया ने शांति संधि की. **1833** : चिली के संविधान ने राष्ट्रपति को व्यापक अधिकार देने के साथ रोमन कैथोलिजम को राजधर्म बनाया. **1859** : अंग्रेजी भाषा के लेखक सर आर्थर कानन डायल का जन्म हुआ. **1914** : ब्रिटेन ने फारस की खाड़ी में एंग्लो तेल कंपनी की संपत्ति पर कब्जा कर लिया. **1936** : लार्ड ब्रेवोर्न ने मुबंई के ब्रेनाई स्टेडियम की आधारशिला रखी. **1939** : जर्मनी के एडोल्फ हिटलर और इटली के बेनिटो मुसोलिनी ने दस वर्षीय राजनीतिक और सैन्य समझौता किया. **1965** : भारत के पहले ग्लाइडर रोहिणी ने आकाश में उड़ान भरी.

## दैनिक पंचांग

**22 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | वृष में | मिथुन | 06.53 बजे से |
| चंद्र | मीन में | कर्क | 09.06 बजे से |
| मंगल | कर्क में | सिंह | 11.22 बजे से |
| बुध | मेष में | कन्या | 13.34 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | तुला | 15.45 बजे से |
| शुक्र | मीन में | वृश्चिक | 17.59 ब.से |
| शनि | मीन में | धनु | 20.15 बजे से |
| राहु | मीन में | मकर | 22.21 बजे से |
| केतु | कन्या में | कुंभ | 00.07 बजे से |
| राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक | | मीन | 01.40 बजे से |
| | | मेष | 03.10 बजे से |
| | | वृष | 04.50 बजे से |

**गुरुवार** 2025 वर्ष का 142 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 17.47 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 21.49 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 14.22 बजे तदनन्तर विष्टि 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872352 **जूलियन दिन** 2460817.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 23

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से 07.22 बजे तक | अमृत | 05.40 से 07.11 बजे तक |
| रोग | 07.22 से 08.51 बजे तक | चर | 07.11 से 08.43 बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 से 10.19 बजे तक | रोग | 08.43 से 10.15 बजे तक |
| चर | 10.19 से 11.47 बजे तक | काल | 10.15 से 11.47 बजे तक |
| लाभ | 11.47 से 01.15 बजे तक | लाभ | 11.47 से 01.19 बजे तक |
| अमृत | 01.15 से 02.43 बजे तक | उद्वेग | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| काल | 02.43 से 04.11 बजे तक | शुभ | 02.51 से 04.23 बजे तक |
| शुभ | 04.11 से 05.40 बजे तक | अमृत | 04.23 से 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## इस स्कॉलरशिप के जरिए लड़कियों को मिलेंगे 1 लाख रुपये

**भारत में कई सारी स्कॉलरशिप का विकल्प मिलता है। ऐसे में अगर आप भी स्कॉलरशिप के जरिए पढ़ाई करना चाहते हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंफोसिस फाउंडेशन के जरिए आसानी से स्कॉलरशिप ले सकते हैं। ऐसे में यह बैचलर कर रही लड़कियों को मौका दिया गया है।**

### इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप

इंफोसिस फाउंडेशन ने इंफोसिस फाउंडेशन स्टेम स्टार्स स्कॉलरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है जिसका जरिए ग्रेजुएशन के पहले वर्ष की लड़कियों को आर्थिक सहायता मिल सकता है। इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम के जरिए फाउंडेशन उन छात्राओं की मदद करना चाहती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक हैं। इस पहल से छात्राओं को न केवल शिक्षा का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके करियर के विकास में भी मदद मिलेगी।

### किसको मिलेगा यह लाभ

इंफोसिस फाउंडेशन स्कॉलरशिप उन छात्रों को दिया जाएगा जिसके घर के इंकम 8 लाख से कम है। ऐसे में यह स्कॉलरशिप देने से पहले छात्रों का एजुकेशनल क्वालिफिकेशन के साथ ही उनका एक इंटरव्यू भी होगा। इस इंटरव्यू के आधार पर यह तय किया जाएगा कि छात्र को स्कॉलरशिप मिलना चाहिए या नही।
किन डॉक्यूमेंट्स की होगी जरूरत

**प्रमाण-पत्र**
जेईई/ सीईटी/नीट का स्कोरकार्ड
इनकम सर्टिफिकेट

# कैसे बनें फायर सेफ्टी इंजीनियर

**अगर आप बैचलर डिग्री के बजाय डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं, तो फायर इंजीनियरिंग या फायर सेफ्टी में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। डिप्लोमा के बाद, आप बैचलर कोर्स में लेटरल एंट्री से प्रवेश ले सकते हैं।**

फायर सेफ्टी इंजीनियर एक ऐसा पेशा है, जिसमें आप आग लगने की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए काम करते हैं। यह एक बहुत ही जरूरी और चुनौती भरा काम है। अगर आप भी फायर सेफ्टी इंजीनियर बनना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए इन योग्यताओं का होना जरूरी है

- 12वीं कक्षा में कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री, या गणित विषयों में पास होना
- फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष परीक्षा पास करना
- फायर टेक्नोलॉजी और सेफ्टी इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए जेईई मेन और जेईई एडवांस परीक्षा पास करना।
- शारीरिक योग्यता का होना। पुरुषों की लंबाई कम से कम 165 सेंटीमीटर और वजन 50 किलोग्राम होना चाहिए। महिलाओं की लंबाई कम से कम 157 सेंटीमीटर और वजन 46 किलोग्राम होना चाहिए। आंखों की नजर दोनों आंखों में 6/6 होनी चाहिए। उम्र 19 साल से ज्यादा होनी चाहिए।

### फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के फायदे

- फायर सेफ्टी इंजीनियरों को अच्छा वेतन मिलता है।
- आप लोगों की जान और माल बचाने में योगदान दे सकते हैं।
- इस क्षेत्र में करियर ग्रोथ के बहुत सारे अवसर हैं।
- आप समाज में एक सम्मानित व्यक्ति बन सकते हैं।

### फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए ये भी कर सकते हैं

कॉलेज में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा लेना। इससे आपको प्रशिक्षु इंजीनियर के तौर पर नौकरी मिलने में मदद मिल सकती है।
आईटीआई फायर और सेफ्टीकोर्स करना। यह कोर्स दो साल का होता है और इसमें चार सेमेस्टर होते हैं। चार सेमेस्टर में से एक सेमेस्टर में लाइव वातावरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण होता है। फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या केमिकल इंजीनियरिंग में बैचलर्स डिग्री प्राप्त करनी होगी। फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, कई तरह के कोर्स कराए जा सकते हैं

### बैचलर ऑफ साइंस

इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग में फायर और सेफ्टी में तीन साल का बीएससी कोर्स कराया जाता है। इसमें 15 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 60,000 रुपये है।

### बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी

नेशनल फायर सर्विस कॉलेज, नागपुर में अग्नि इंजीनियरिंग में बीई कोर्स कराया जाता है। इसमें 60 छात्रों को प्रवेश मिलता है और इसकी कुल लागत 96,000 रुपये है। यह कोर्स चार साल का होता है। यह कोर्स 3-4 साल का होता है और इसमें फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, फायर प्रिवेंशन, इमरजेंसी मैनेजमेंट, और रेस्क्यू टेक्निक्स जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

### फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग में डिप्लोमा

फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए, बारहवीं कक्षा पास करने के बाद फायर और सेफ्टी प्रबंधन में डिप्लोमा किया जा सकता है। यह कोर्स 1-2 साल का होता है और इसे पूरा करने के बाद आप असिस्टेंट फायर ऑफिसर या टेक्निशियन के रूप में नौकरी शुरू कर सकते हैं।

### फायर सेफ्टी इंजीनियर कहां काम कर सकते हैं

आप सरकारी विभागों जैसे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, डिफेंस, और रेलवे में फायर सेफ्टी इंजीनियर के रूप में नौकरी पा सकते हैं। या फिर आप प्राइवेट सेक्टर में फायर सेफ्टी कंसल्टेंट, फायर इंजीनियर, सेफ्टी मैनेजर या डिजास्टर मैनेजमेंट के पदों पर काम कर सकते हैं।

### फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के लिए लाइसेंस

कुछ देशों में, फायर सेफ्टी इंजीनियर बनने के लिए आपको लाइसेंस प्राप्त करना होगा। आप स्थानीय अधिकारियों से लाइसेंस पा सकते हैं।

# सीए और सीएफए में क्या होता है अंतर

**सीए और सीएफए दोनों फाइनेंस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर हैं। आइए इन प्वाइंट्स में समझते हैं।**

सीए (Chartered Accountant) और सीएफए (Chartered Financial Analyst) दोनों ही हाई लेवल की प्रोफेशनल डिग्री हैं, लेकिन ये अलग-अलग एरिया में विशेषज्ञता देती हैं। यहां 7 प्रमुख बिंदुओं में दोनों के बीच का अंतर समझाया गया है। आइए इससे पहले जानते हैं कि क्या सीए और सीएफए
चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) दोनों फाइनेंस से जुड़े पेशे हैं।

### सीए

सीए, जिन्हें सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट भी कहा जाता है, अकाउंटेंसी फर्मों या उससे जुड़ी कंपनियों के लिए काम करते हैं। वे फाइनेंस के कई क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे कि ऑडिटिंग, टैक्सेशन, फाइनेंशियल प्लानिंग, और मैनेजमेंट कंस्लटिंग। सीए की जिम्मेदारियों में कर दाखिल करना और फाइनेंशियल स्टेटमेंट का ऑडिट करना भी शामिल हो सकता है। भारत में, सीए एक लोकप्रिय विकल्प है, खासकर उन लोगों के लिए जो अकाउंट्स और टैक्सेशन में रुचि रखते हैं।

### सीएफए

सीएफए कोर्स, सीएफए संस्थान द्वारा ग्लोबल लेवल पर चलाया जाता है। यह कोर्स खास तौर से इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट और मनी मैनेजमेंट एनालिसिस पर केंद्रित है। सीएफए प्रोग्राम का मकसद, इन्वेस्ट और मैनेजमेंट में काम के लिए जरूरी ज्ञान और विशेषज्ञता देना है। सीएफए चार्टरहोल्डर के पास निवेश विश्लेषण में विशेषज्ञता और वास्तविक दुनिया के कौशल होते हैं। भारत में, सीएफए पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं, खासकर एमएनसी और स्टार्टअप्स में अगर आपको फाइनेंस के बारे में जुनून है, तो सीएफए आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। भारत में, सीए और सीएफए दोनों की ही बहुत मांग है। निगमों, निवेश फर्मों, बैंकों, और दूसरे संगठनों में वरिष्ठ वित्तीय भूमिकाओं के लिए अक्सर सीए और सीएफए दोनों वाले पेशेवरों की मांग होती है। सीए और सीएफए दोनों वित्तीय क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूर योग्यताएं हैं, लेकिन दोनों के बीच कुछ अंतर है
सीए कोर्स के लिए आपकी 12वीं पास होना अनिवार्य है, तो वहीं सीएफए प्रोग्राम के लिए ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया सीए कोर्स करवाती है, तो वहीं ष्ट्र प्रोग्राम सीएफए इंस्टीट्यूट यूएसए द्वारा करवाया जाता है।

### कोर्स की अवधि

सीए कोर्स की अवधि 4.5 साल है, जिसमें 3 साल की ट्रेनिंग शामिल है, जबकि सीएफए कोर्स की अवधि 3-4 साल है, जिसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।

### फीस

सीए कोर्स की फीस 1-2 लाख रुपये है, जबकि सीएफए कोर्स की फीस 2-2.5 लाख रुपये है।
सीए और सीएफए कोर्स का दायरा
सीए कोर्स भारतीय अकाउंट सिस्टम, टैक्सेशन और कंपनी कानूनों पर केंद्रित है, जबकि सीएफए एक वैश्विक योग्यता है, जो निवेश प्रबंधन में माहिर है।

### कैरियर के अवसर

सीए कोर्स के बाद आप अकाउंटेंट, ऑडिटर या फाइनेंस मैनेजर बन सकते हैं, जबकि सीएफए कोर्स के बाद आप निवेश बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर या फाइनेंशियल एनालिस्ट बन सकते हैं।

### सीए और सीएफए में चुनौती का स्तर

- दोनों कोर्स चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन सीएफए कोर्स को थोड़ा अधिक कठिन माना जाता है, क्योंकि इसमें तीनों परीक्षाओं को पास करना होता है।
- सीए और सीएफए के लिए योग्यता
- सीए कोर्स के लिए आपको 12वीं पास होना चाहिए और सीएफए कोर्स के लिए आपको ग्रेजुएट होना चाहिए।
- सीए और सीएफए में वैश्विक मान्यता
- सीएफए कोर्स को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जबकि सीए कोर्स को मुख्य रूप से भारत में मान्यता प्राप्त है।

# छोटे निवेश के शुरू कर सकते हैं पापड़ उद्योग

अगर छोटे निवेश के साथ आप अपना कोई काम शुरू करना चाहती हैं तो आपको पापड़ उद्योग पर गौर करना चाहिए। आइए जानें, इस उद्योग से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।
अगर आप घर बैठे और कम निवेश में कोई कारोबार शुरू करना चाहती हैं तो आप पापड़ उद्योग के बारे में सोच सकती हैं। अगर आप में काबिलियत है तो घर से शुरु हुए पापड़ के छोटे से कारोबार को आप सफलता के शिखर पर पहुंचा सकती हैं। अगर आपकी पृष्ठभूमि गांव है और आप कम पढ़ी-लिखी हैं तब भी इस उद्योग को शुरू करने में आपको कोई परेशानी नहीं होगी। लगभग सभी घरों में पापड़ का इस्तेमाल स्नेक्स के रूप में किया जाता है इसलिए मार्किट में इसकी काफी मांग है। पापड़ की मांग देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि इस उद्योग में संभावनाएं अपार हैं।

वैसे पापड़ उद्योग के इतिहास की बात करें तो यह काफी पुराना है। हमारे देश में यह व्यवसाय महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के मकसद से किया जा रहा है। इस व्यवसाय से ज्यादातर महिलाएं जुड़ी हुई हैं। यह व्यवसाय जरूरतमंद महिलाओं को कमाई का जरिया प्रदान करता है। इससे जुड़ी महिलाएं अच्छा मुनाफा भी कमा रही हैं। तो चलिए जानते हैं इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए आपको क्या करना होगा।
पापड़ का इस्तेमाल भारत के अलावा एशिया के कई देशो में भी किया जाता है। भारत अन्य देशो में पापड़ निर्यात करता है लेकिन हमारे देश में ही पापड़ की आपूर्ति सही तरीके से नहीं पाती है। अगर इस लिहाज से देखा जाए तो इस बिजनस (हाउस वाइफ से कैसे बनें बिज़नेस वुमेन) का फ्यूचर बहुत अच्छा है। वैसे तो कुछ कंपनियों के पापड़ हर राज्य में मिल जाते हैं लेकिन हमारे देश में लगभग साठ फीसदी पापड़ की आपूर्ति लोकल पापड़ उद्योगों द्वारा ही किया जाता है।
पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए क्या करें-
अगर आपके पास पैसे की कमी है तो आप बैंक से लोन भी ले सकती हैं। इस उद्योग के लिए बैंक कम दर पर लोन देती है। इसके अलावा आप कई महिलाओं को साथ जोड़कर स्वयंसेवी संस्था के रूप में भी काम कर सकती हैं, जैसा की लिज्जत पापड़ (लिज्जत पापड़ से लें प्रेरणा) कर रहा है। ऐसी संस्थाओं को भारत सरकार सहायता प्रदान करती है।

### लाइसेंस लेना जरूरी

किसी भी फूड आइटम वाले बिजनस को शुरू करने के लिए आपको लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। खाद्य पदार्थों से जुड़ा व्यवसाय होने के कारण इसे BIS (Bureau of Indian Standards) के तय मानकों पर खरा उतरना होगा। पापड़ उद्योग में आपको BIS, FSSAI जैसे लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी। साथ ही, Business Entities रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। अगर आप अपने उद्योग में 20 से ज्यादा लोगों को जोड़ना चाहती हैं तो आपको Compliance EPF, ESIC पर भी ध्यान देना होगा।

### जगह का रखें ध्यान

पापड़ उद्योग चलाने के लिए आपको लगभग साठ से अस्सी वर्गमीटर जगह की जरूरत पड़ती है, जिसमे पापड़ (पापड़ खाने की आदत अच्छी है या बुरी) बनाने से लेकर सुखाने और पैक करने तक का काम होगा। अगर आप ड्रायर मशीन द्वारा पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको कम जगह यानी चालीस वर्गमीटर की ही जरूरत होगी।

### कच्चे माल की जानकारी

वैसे तो पापड़ कई तरह से बनाए जाते है लेकिन आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले मटेरियल हैं- दाल, मिर्च या मसाले, तेल, सोडियम बाई कार्बोनेट, हिंग, पिसी हुई काली मिर्च इत्यादि।
पापड़ उद्योग के लिए जरूरी मशीन-

- ग्राइंडिंग मशीन
- मिक्सर मशीन
- पापड़ प्रेस मशीन
- ड्राईंग मशीन
- पेकिंग मशीन

अगर आप धूप में पापड़ सुखाना चाहती हैं तो आपको ड्राईंग मशीन की जरुरत नहीं पड़ेगी। वहीं, अगर हाथ से पेकिंग करना चाहती हैं तो पेकिंग मशीन की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

### पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए लागत

पापड़ उद्योग शुरू करने के लिए आपको कम से कम एक लाख रूपयों की जरूरत होगी। लेकिन यह काफी हद तक आपके बजट पर निर्भर करता है कि आप इस पर कितना खर्च करना चाहती हैं। क्योंकि पापड़ बनाने की मशीने दस हजार से लेकर दस लाख तक की आती हैं।

### कमाई कितनी

कमाई भी आपके बजट पर निर्भर करती है, अगर आप ज्यादा पैसे खर्च करती हैं तो आप ज्यादा मुनाफा कमा सकती हैं। वहीं, कम निवेश करने पर कमाई भी कम होगी। वैसे हमेशा ऐसा हो यह जरूरी नहीं, ऐसा भी हो सकता है कि कम निवेश पर भी आपकी अच्छी कमाई हो। यह सारी बातें मार्किट पर आपकी पकड़ पर निर्भर है। लेकिन पापड़ की क्वालिटी का हमेशा ध्यान रखें तभी आप मार्किट में पकड़ बना पाएंगी। वैसे आमतौर पर इसमें निवेश की गई पूंजी से दस से बीस प्रतिशत तक कमाई हो जा सकती है, मतलब अगर आप एक लाख रूपये खर्च करती हैं तो इससे आप लगभग बीस हजार रूपये कमा सकती हैं।

# धरा रह जाएगा ट्रंप का टैरिफ

## तेज रफ्तार से दौड़ती रहेगी भारत की इकॉनमी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए हैं। हालांकि इसमें अभी 90 दिन की मोहलत दी गई है लेकिन भारत पर इसका ज्यादा असर नहीं होगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत टैरिफ से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के टैरिफ और दुनियाभर में व्यापार में हो रही दिक्कतों का असर भारत पर कम होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और यहां सामान का निर्यात कम होता है। भारत पर कम असर इसलिए होगा क्योंकि भारत का अमेरिका के टैरिफ से सीधा संपर्क कम है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत कई तरह की चीजें दूसरे देशों को बेचता है, जिससे उसे फायदा होता है। भारत की अपनी अर्थव्यवस्था भी बहुत बड़ी है। इसलिए भारत को दूसरे देशों को सामान बेचने पर ज्यादा निर्भर नहीं रहना पड़ता। इसमें भारत की कोई खास कमजोरी नहीं बताई गई है लेकिन इसमें कहा गया है कि भारत के पास खासकर बंदरगाहों के मामले में अच्छे मौके हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां चाइना-वी की रणनीति चल रही हैं। इसका मतलब है कि कंपनियां पूरी तरह चीन पर निर्भर नहीं रहना चाहती हैं बल्कि दूसरे देशों से भी अपना सामान मंगवाना चाहती हैं। इससे भारत के बंदरगाहों को फायदा हो सकता है क्योंकि कंपनियां चीन के अलावा भारत से भी सामान मंगवा सकती हैं। मूडीज का कहना है कि भारत सरकार कई योजनाएं चला रही है।

इन योजनाओं से लोगों का खर्च बढ़ेगा, देश में सामान बनाने की क्षमता बढ़ेगी और बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ेगा। इससे अर्थव्यवस्था को बाहरी झटकों से बचाने में मदद मिलेगी। महंगाई कम होने से ब्याज दरें भी कम हो सकती हैं। इससे भी विकास को सहारा मिलेगा। बैंकों के पास पर्याप्त पैसा है, जिससे वे आसानी से लोन दे सकते हैं। मूडीज़ ने कहा, भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर कम निर्भरता इसे बाहरी झटकों को सहने की बेहतर स्थिति में रखती है।

रिपोर्ट में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की भी बात की गई है। मूडीज़ का कहना है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव का असर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा पड़ेगा। भारत के मुख्य आर्थिक केंद्र संघर्ष क्षेत्र से दूर हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार भी ज्यादा नहीं होता है। हालांकि अगर तनाव बढ़ता है तो भारत को रक्षा पर ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

### क्यों नहीं होगा असर

मूडीज ने यह भी माना है कि ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टर टैरिफ को दिक्कत हो सकती है जो अमेरिका को निर्यात करते हैं। लेकिन भारत का सर्विस सेक्टर मजबूत है और अर्थव्यवस्था घरेलू बाजार पर ज्यादा निर्भर है। इसलिए भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा। इस महीने की शुरुआत में मूडीज ने भारत के 2025 के विकास का अनुमान 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। लेकिन फिर भी यह त्र-20 देशों में सबसे ज्यादा है। अप्रैल में अमेरिका ने कुछ चीजों पर नए टैरिफ लगाए थे। हालांकि बाद में इसे 90 दिनों के लिए रोक दिया गया। बेस टैरिफ अभी भी 10 प्रतिशत है। लेकिन कुछ सेक्टर जैसे स्टील और एल्यूमीनियम पर अभी भी ज्यादा टैक्स लग रहा है।

**व्यापार समझौता**

## मंजूरी में नियामकों की देरी से विभिन्न देशों के साथ रिश्ते पर असर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मंजूरी में नियामकों की देरी से अनिश्चितता पैदा होने के साथ अमेरिका और यूरोप सहित विभिन्न देशों के साथ चल रहे भारत के मुक्त व्यापार सौदों पर भी असर पड़ सकता है ।ऐसे में विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना जरूरी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 16वें वार्षिक समारोह में कहा, निवेशकों की नजर नियामकों की क्षमता और तत्परता पर होती है। जब आप उचित समय में कुछ मुक्त व्यापार समझौतों पर सहमति बनाने की बात करते हैं, तो इसका बहुत गंभीर अर्थ होता है।

इसलिए, चाहे वह मुकदमेबाजी हो या इसमें लगने वाला समय हो या जब नियामक कम पारदर्शी हों, तो बातचीत जटिल हो सकती है। प्रतिस्पर्धा प्रभावित न हो, यह भी देखना होगा वित्त मंत्री ने कहा, नियामक ढांचे में कठोर निगरानी बनाए रखने के साथ ऐसे संयोजनों के लिए तुरंत और निर्बाध मंजूरी की सुविधा भी दी जाए, जिससे प्रतिस्पर्धा को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा, न सिर्फ व्यावसायिक आचरण बल्कि सरकारी नीतियों, कानूनों और विनियमों को भी प्रतिस्पर्धा को प्रभावित नहीं करना चाहिए।

**स्वतंत्र और निष्पक्ष बाजार का होना आवश्यक–** सीतारमण ने कहा, भारत जैसे देश के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष बाजार सुनिश्चित करना महज आर्थिक ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जरूरत भी है। किसी भी चीज की कीमतें चैरिटी के कारण नहीं गिरतीं, बल्कि इसलिए गिरती हैं क्योंकि कोई और उसी उत्पाद को कम दाम पर बेचने को तैयार है। गुणवत्ता में सुधार नैतिकता के कारण नहीं होता, बल्कि इसलिए होता है क्योंकि बाजार की ताकतें औसत दर्जे को दंडित करती हैं।

**सटीक मूल्यांकन में मिलेगी सहायता- सीसीआई प्रमुख–** सीसीआई की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा, उत्पादन लागत के नए मानदंडों से अधिक सटीक और मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इससे प्रवर्तन परिणाम आसान हो जाएंगे। डिजिटल बाजारों में तेजी से बदलाव आ रहा है और पहले कदम उठाने का लाभ बहुत जल्दी ही ठोस रूप ले लेता है। सीसीआई डिजिटल बाजारों, वैश्वीकरण और उभरते व्यापार मॉडल की जटिलताओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए ढांचे को पुन: व्यवस्थित करने में सक्रिय रहा है।

## पावर प्रोजेक्ट के लिए इस कंपनी को मिला 711 करोड़ का ऑर्डर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पटेल इंजीनियरिंग के शेयर आज बुधवार, 21 मई को चर्चा में हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर में आज 2 प्रतिशत तक चढ़कर 42.81 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। शेयरों में यह तेजी एक ऑर्डर के बाद देखी जा रही है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसे अरुणाचल प्रदेश में एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड से 711.29 करोड़ रुपये के ऑर्डर के लिए अप्रूवल लेटर मिला है।

**क्या है डिटेल–** ऑर्डर के तहत 240 मेगावाट की एसइओ जलविद्युत परियोजना अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में स्थित होगी। इसे इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण के आधार पर 44 महीनों के भीतर पूरा किया जाना है। ऑर्डर में सिविल और संबंधित इंफ्रा के निर्माण और हाइड्रो-मैकेनिकल प्लांट और मशीनरी का परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है। पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड की प्रबंध निदेशक कविता शिरवाइकर ने कहा, यह ऑर्डर भारत के पावर सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण इंफ्रा के निर्माण के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करता है और उत्तर-पूर्व में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

## ड्रोन तबाह करने वाला आकाशतीर बनाती है कंपनी, 445 रुपये तक जा सकते हैं डिफेंस कंपनी के शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत-पाक तनाव में तुर्की के कामिकेज समेत पाकिस्तानी ड्रोन्स को स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम ने तबाह कर दिया। आकाशतीर को नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। मार्केट एक्सपर्ट्स कंपनी के शेयरों पर बुलिश हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का कवरेज करने वाले ज्यादातर एनालिस्ट्स ने इसके शेयरों का प्राइस टारगेट बढ़ा दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बुधवार को 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 379.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि डिफेंस कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है।

**57000 करोड़ रुपये के मिल सकते हैं ऑर्डर–** भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने हाइलाइट किया है कि क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल को छोड़कर नए वित्त वर्ष में ऑर्डर इनफ्लो 27,000 करोड़ रुपये पहुंच सकता है। वहीं, अगर क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल ऑर्डर इसी साल मिलता है तो यह आंकड़ा 57,000 करोड़ रुपये तक जा सकता है। नवरत्न कंपनी के मैनेजमेंट को इस साल 15 प्रतिशत रेवेन्यू ग्रोथ और 27 प्रतिशत के इबिट्डा मार्जिन की उम्मीद है।

**445 रुपये का टारगेट–** ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 445 रुपये का प्राइस टारगेट दिया है। यानी, मंगलवार के क्लोजिंग लेवल से कंपनी के शेयर 22 पर्सेंट उछल सकते हैं।

## सेल इंडिया, बाय चाइना की चर्चा पकड़ रही जोर, 1 ही दिन में 10016 करोड़ निकाल लिए विदेशी निवेशक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कुछ दिनों से लगातार खरीदारी कर रहे विदेशी निवेशकों ने मंगलवार (20 मई) को भारतीय शेयर बाजार से 10,016 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह फरवरी के बाद से सबसे बड़ी एक दिन की निकासी है। हालांकि, घरेलू निवेशकों ने बाजार को संभालने की कोशिश की और 6,738 करोड़ रुपये लगाए।

**क्यों हुई विदेशियों की बिकवाली–** ग्लोबल मार्केट में नकारात्मक रुझान और घरेलू स्तर पर नई ट्रिगर्स की कमी के चलते विदेशी निवेशक मुनाफा वसूलने लगे। इससे पहले 1 से 16 मई के बीच उन्होंने 23,778 करोड़ रुपये लगाए थे और अप्रैल में भी 4,243 करोड़ रुपये का निवेश किया था। पर अब मूडीज ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग से घटाकर 1 कर दी है, जिससे वहां के बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ गया। यही नहीं, ग्लोबल ट्रेड को लेकर चिंताएं भी निवेशकों के मन में घर कर गई हैं।

**क्या चीन की ओर भाग रहे हैं निवेशक–** सेल इंडिया, बाय चाइना की चर्चा फिर जोर पकड़ रही है। अमेरिका-चीन ट्रेड ट्रूस के बाद चीन के शेयर भारत के मुकाबले सस्ते लगने लगे हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अगर दोनों देशों के बीच स्थायी समझौता होता है, तो विदेशी पूंजी भारत से हटकर चीन की ओर जा सकती है। चीन ने भी अपनी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कदम बढ़ाए हैं। मंगलवार को उसने लोन प्राइम रेट 10 बेसिस पॉइंट्स काट दिया, जो अक्टूबर के बाद पहली बार हुआ है। साथ ही, बैंकों के लिए रिजर्व रिक्वायरमेंट्स भी घटाई गई हैं।

**भारतीय बाजार के लिए खतरा–** गेओजित फाइनेंशियल के डॉ वीके विजयकुमार कहते हैं, अचानक विदेशी निवेशकों का इतना बड़ा पलायन चिंताजनक है। अगर यह सिलसिला जारी रहा, तो बाजार पर दबाव पड़ सकता है।

## सरकार के पक्ष में आए फैसले को मुकेश अंबानी की रिलायंस ने दी चुनौती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके विदेशी साझेदारों ने सरकार के साथ गैस विवाद के मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इन कंपनियों ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें मध्यस्थता फैसले को रद्द कर दिया गया था। यह फैसला केंद्र सरकार के 1.7 बिलियन डॉलर के उस दावे से जुड़ा है। सरकार ने आरोप लगाया गया था कि रिलायंस ने कृष्णा-गोदावरी बेसिन में उसके कुएं से गैस निकाली। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ रिलायंस ने 14 मई को सबसे पहले याचिका दायर की। इसके बाद उसके साझेदारों यूके की बीपी पीएलसी की सहायक कंपनी बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) और कनाडाई कंपनी निको लिमिटेड ने भी अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं। हाई कोर्ट ने 14 फरवरी को रिलायंस और उसके साझेदारों के खिलाफ फैसला सुनाया था। कोर्ट ने सरकार के दावे को

सही ठहराया था। कोर्ट का कहना था कि रिलायंस ने ओएनजीसी के ब्लॉक से गैस निकालकर अनुचित लाभ कमाया है। ओएनजीसी का ब्लॉक रिलायंस के केजी-डी6 फील्ड के बगल में ही है। यह मामला 2013 का है। ओएनजीसी ने दावा किया था कि उसके आइजी और केजी-डीडब्लूएन-98/2 ब्लॉक, रिलायंस के केजी-डी6 फील्ड के साथ एक कॉमन गैस पूल शेयर करते हैं। कंपनी ने हाई कोर्ट में कहा कि रिलायंस ने पहले ही केजी-डी6 को चालू कर दिया था और उस गैस को निकाल रही है जो उसके ब्लॉक से आई है। ओएनजीसी के ब्लॉक पर तब काम चल रहा था।

### सरकार की डिमांड

तेल मंत्रालय ने हाई कोर्ट का रुख तब किया जब सिंगापुर के लॉरेंस वू के नेतृत्व वाले मध्यस्थता पैनल ने उसके दावे को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने लगभग 1.6 बिलियन डॉलर की लागत (ब्याज सहित) और 175 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम की मांग की थी। यह मांग 31 मार्च, 2016 तक रिलायंस द्वारा की गई अनुचित लाभ की वसूली के लिए थी। सरकार का कहना था कि रिलायंस ने गलत तरीके से गैस निकालकर जो पैसा कमाया है, उसे वापस किया जाए। 14 फरवरी के आदेश में, जस्टिस रेखा पल्ली और जस्टिस सौरभ बनर्जी की खंडपीठ ने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसने सरकार के दावे को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने जस्टिस अनूप जयराम भंबानी के उस पहले के आदेश को भी पलट दिया, जिसमें रिलायंस के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के पक्ष में मध्यस्थता के फैसले को बरकरार रखा गया था। जस्टिस पल्ली और जस्टिस बनर्जी की खंडपीठ ने 9 मई, 2023 के विवादित आदेश और मध्यस्थता पंचाट के 2018 के फैसले रद्द कर दिया। खंडपीठ ने कहा कि ये फैसले कानून की स्थापित स्थिति के विपरीत हैं।

**देश में खाद्यान्न की महंगाई से रहेगी राहत**

## आगामी महीनों में भी नहीं सताएंगे बढ़े दाम; गेहूं की बंपर फसल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के लोगों को खाद्यान्न की महंगाई नहीं सताएगी। बंपर पैदावार और मुद्रास्फीति का ऐतिहासिक रूप से 42 माह में सबसे निचले स्तर पर होना बताता है। देश खाद्यान्न के मामले में सक्षम है और भंडार भरे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन इस बार भी बंपर है। इसलिए निकट भविष्य में भी स्थितियां सामान्य रहने वाली है। देश में अप्रैल में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स सबसे कम 1.78 फीसदी था। इससे पहले यह अक्तूबर 2021 में 0.85 फीसदी सबसे कम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में खाद्यान्न की कीमतों में निकट भविष्य में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी नहीं होगी।

इसके अलावा देश में चालू रबी मार्केटिंग सीजन में अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद तय लक्ष्य से कम रहने वाली है। किंतु यह चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह तय लक्ष्य से थोड़ी ही कम है। किसानों को उनकी फसल का भरपूर दाम मिला है। निजी कंपनियों ने किसानों से खूब खरीदी की है। देश के सरकारी गोदामों में 382.22 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। अक्टूबर नवंबर से नई फसल आ जाएगी, जिसके पूर्वानुमान भी काफी अच्छे होने की उम्मीद है।

**गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन खरीद–** सरकारी खरीद में गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। चोपड़ा ने कहा कि जबकि सरकारी खरीद का लक्ष्य 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का रखा गया था। इसमें पंजाब में निजी कंपनियों और उत्तर प्रदेश से कम सरकारी खरीद के कारण तय लक्ष्य से कुछ कम रह गया है। सरकार ने इसमें पंजाब से 124 लाख मीट्रिक टन, हरियाणा से 75 लाख मीट्रिक टन, मध्य प्रदेश से 80 लाख मीट्रिक टन, उत्तर प्रदेश से 30 लाख मीट्रिक टन, राजस्थान से 20 लाख मीट्रिक टन और गुजरात से 0.01 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने था।

**पंजाब-हरियाणा में 15 मई तक गेहूं की खरीद खत्म–** इसमें पंजाब और हरियाणा में 15 मई तक गेहूं की खरीद खत्म हो गई है। जबकि उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अभी यह 30 मई जारी है। इसमें मध्य प्रदेश को भी जोड़ा गया है, इसके बाद भी बहुत कम उम्मीद बची है कि सरकारी खरीद इस बार भी अपना लक्ष्य पूरा कर पाएगी।

### राजस्थान में 16.46 लाख मीट्रिक टन खरीद

राजस्थान में 16.46 लाख मीट्रिक टन खरीद हुई है। जबकि गेहूं उत्पादन वाले अन्य राज्यों से कोई खरीद नहीं हो पा रही है। सरकार ने गेहूं के लिए 2425 रुपये प्रति क्विंटल सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है, लेकिन बाजार में सभी राज्यों में यह काफी ऊपर चल रहा है। गन्ना की फसल भी अच्छी है इसलिए कह सकते हैं कि अभी खाद्यान्न के मामले में देश काफी सहज और अनुकूल हालातों में है। खाद्य सचिव ने कहा कि देश में इस बार भी बंपर फसल है, ऐसे में जनता पर खाद्यान्नों की महंगाई का बोझ नहीं पड़ेगा। जहां तक सवाल खाद्य तेलों की ऊंची कीमत का है तो यह दुनिया में हो रही महंगाई और भारत द्वारा लगाई गई आयात ड्यूटी का भी असर है।

# आ रहा है लीला होटल का आईपीओ

**मुंबई, एजेंसी।** भारत में लग्जरी होटलों के मशहूर ब्रांड द लीला को तो जानते ही होंगे। इस होटल को चलाने वाली कंपनी है श्लॉस बैंगलोर । यह कंपनी अपना आईपीओ लेकर आ रही है। लीला होटल का आईपीओ आगामी सोमवार यानी 26 मई, 2025 को खुलेगा। हम बता रहे हैं इस आईपीओ के बारे में सबकुछ।

### क्या है आईपीओ का आकार

यह आईपीओ 3,500 करोड़ रुपये का होगा। इसमें 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही, 1,000 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचे जाएंगे। ओएफएस का मतलब है, जब कंपनी के मालिक या कुछ निवेशक अपने शेयर बेचते हैं।

**कब तक खुला रहेगा–** यह आईपीओ तीन दिन तक खुला रहेगा। यानी 26 मई को खुल कर 28 मई को बंद हो जाएगा। उम्मीद है कि 2 जून को बीएसइ (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और एनएसइ (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) दोनों पर शेयरों की लिस्टिंग हो जाएगी।

### क्या है प्राइस बैंड

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 413 रुपये से 435 रुपये तय किया गया है। इसमें आवेदन करने वाले निवेशकों को कम से कम 34 शेयर के लिए बोली लगानी होगी। मतलब कि रिटेल इनवेस्टर्स को कम से कम 14,042 रुपये का निवेश करना होगा।

**क्या है जीएमपी–** ग्रे मार्केट में इस समय लीला होटल के एक शेयर पर 18 रुपये का प्रीमियम कोट किया जा रहा है। मतलब कि यदि प्राइस बैंड का अपर पोर्शन, 435 रुपये को इश्यू प्राइस माना जाए तो 4.14 फीसदी का प्रीमियम।

### लीड मैनेजर्स कौन हैं

इस आईपीओ को मैनेज करने की जिम्मेदारी छ्रूरू फाइनेंशियल, कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, मॉर्गन स्टेनली और एसबीआई कैपिटल जैसी कंपनियों को दी गई है। केएफआई टेक्नोलॉजीज इस इश्यू के लिए रजिस्ट्रार का काम कर रही है।

**देश की सबसे बड़ी लग्जरी होटल कंपनी–** श्लॉस बैंगलोर 2019 में शुरू हुई थी। कमरों की संख्या के हिसाब से यह भारत की सबसे बड़ी लग्जरी होटल कंपनियों में से एक है। मई 2024 तक, कंपनी द लीला पैलेसेस, होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के नाम से 12 होटल चला रही है, जिनमें 3,382 कमरे हैं। इनमें से पांच होटल पूरी तरह से कंपनी के हैं। ये बेंगलुरु, चेन्नई, नई दिल्ली, जयपुर और उदयपुर में हैं। ये होटल भारतीय राजा-महाराजाओं के समय की वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण हैं। ये अमीर बिजनेस और घूमने-फिरने वाले लोगों को पसंद आते हैं। होटलों में कमरों के बिजनेस के अलावा, कंपनी 67 बढ़िया रेस्टोरेंट और बार भी चलाती है। साथ ही, 12 वेलनेस सेंटर (जहां स्वास्थ्य और आराम से जुड़ी सेवाएं मिलती हैं) भी हैं। द लीला पैलेस बेंगलुरु में कंपनी का स्पा (जहां मसाज और दूसरी आरामदायक चीजें की जाती हैं) लग्जरी वेलनेस ब्रांड सोनेवा के साथ मिलकर बनाया जा रहा है।

**क्या होगा आईपीओ से मिले पैसों का–** कंपनी आईपीओ से मिलने वाले 2,300 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अपने और अपनी कुछ खास सहायक कंपनियों के कर्जों को चुकाने या कम करने में करेगी। बाकी पैसे का इस्तेमाल कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा। मई 2024 में कंपनी को 36 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। लेकिन, कंपनी ने अपना नुकसान काफी कम कर लिया है।

# बांग्लादेश टी20 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित

## बाबर, रिजवान और अफरीदी बाहर

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी शामिल नहीं हैं। पीसीबी ने कहा कि टीम का चयन मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर, रिजवान और अफरीदी को टी20 सेटअप से बाहर किया गया है। इससे पहले अप्रैल में, तीनों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था, लेकिन वे वनडे मैचों का हिस्सा थे। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होने वाली तीन मैचों की सीरीज, कोच के तौर पर माइक हेसन की पहली सीरीज होगी, जिसका शेड्यूल आने वाले दिनों में घोषित किया जाएगा। बल्लेबाज सलमान अली आगा कप्तान बने रहेंगे और ऑलराउंडर शादाब खान उनके डिप्टी होंगे, जबकि अनुभवी सफेद गेंद के खिलाड़ी फखर जमान, हारिस रऊफ और नसीम शाह भी टीम में शामिल हैं। चोट से जूझने के बाद आक्रामक बल्लेबाज सैम अयूब की वापसी से पाकिस्तान को मजबूती मिलेगी। फरवरी में दूसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय टखने में फ्रैक्चर होने के बाद अयूब इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच में ही बाहर हो गए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मौजूदा पीएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है। इस बीच, 29 वर्षीय बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीएसएल में उनके प्रदर्शन के लिए 2018 के बाद पहली बार टी20 सेटअप में वापसी का इनाम मिला है। उन्होंने पीएसएल में अब तक अपने 10 मैचों में 154.50 की स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए हैं और इवेंट में रन बनाने वाले चार्ट में सबसे आगे हैं।

### पाकिस्तान टीम-

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब

# भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के लिए रवाना

**बेंगलुरु, एजेंसी।** भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बुधवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के लिए रवाना हुई। वहां वे चार देशों के एक दोस्ताना हॉकी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट टीम की दिसंबर में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप की तैयारी का हिस्सा है। इसमें भारत के अलावा अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे के साथ मुकाबला करेंगी और अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से 2 जून (भारतीय समयानुसार) तक चलेगा। इस दौरान भारतीय टीम इन तीनों देशों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। इसका उद्देश्य टीम की तैयारी को परखना, सही टीम संयोजन बनाना और रणनीतियां सुधारना है। इस टीम के कोच तुषार खांडेकर हैं। गोलकीपर निधि टीम की कप्तान होंगी और फॉरवर्ड खिलाड़ी हीना बानो उप-कप्तान होंगी। भारत का पहला मुकाबला 25 मई को चिली से, दूसरा 26 मई को उरुग्वे से और तीसरा 28 मई को मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

टीम के रवाना होने से पहले कप्तान निधि ने कहा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। हम प्रशिक्षण में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हमारे प्रयास मैचों में दिखेंगे। मजबूत विरोधियों के खिलाफ खेलने से हमें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

## राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच राठौड़ ने कहा

# अगला साल निश्चित रूप से हमारा होगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 के लीग मैचों के समाप्त होने में अभी एक सप्ताह बाकी है, लेकिन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के 14 लीग मैचों का कोटा पूरा होकर उनके आईपीएल 2025 का सफर समाप्त हो चुका है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनने वाली आरआर अभी भी सीएसके से ठीक ऊपर और अंक तालिका में अंतिम से दूसरे स्थान पर है, जबकि पिछले साल आरआर ने प्ले ऑफ तक का सफर पूरा किया था। टीम के इस प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा, इस सीजन कई मैच ऐसे रहे, जहां हमने जीतते-जीतते कई करीबी मुकाबले गंवाए। हमने तीनों विभागों, खासकर फील्डिंग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसके अलावा हमने पांच बल्लेबाज रिटेन किए थे तो हमें बल्लेबाजों से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन कई मौके ऐसे आए, जहां हमने अच्छी शुरूआत नहीं की। वहीं गेंदबाजी में भी हमने अधिकतर बार 10 से 15 रन अधिक दिए, जो बाद में हार का अंतर साबित हुए। कई मौकों पर हम मैच को अपने पक्ष में समाप्त कर सकते थे, लेकिन हम दुर्भाग्यशाली रहे कि हम ऐसा नहीं कर पाए। यह निराशाजनक है और इससे तकलीफ होती है, लेकिन यह आपको अगले सीजन के लिए उम्मीद भी देती है। मुझे लगता है कि हम इससे बुरा और नहीं कर सकते और अगले सीजन हम निश्चित रूप से वापसी करेंगे। ये सभी लड़के एक साल और अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट खेलकर और भी बेहतर होंगे, खासकर हमारी बल्लेबाजी इकाई और भी मजबूत होगी। गौरतलब है कि आरआर ने इस साल चार ऐसे करीबी मुकाबले गंवाए, जिसमें जीत-हार का अंतर 11 रन से भी कम था, वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मुकाबला भी सुपर ओवर में जाने के बाद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अगर इन मुकाबलों में से आधे के परिणाम भी आरआर के पक्ष में जाते तो वे प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहते। हालांकि राठौड़ ने कहा कि उन्हें इस सीजन से कई सकारात्मक चीजें मिलीं, जो कि अगले सीजन को बेहतर बनाने के काम आएंगी।

वैभव सूर्यवंशी के लिए पूछे जाने पर राठौड़ ने कहा, सूर्यवंशी के साथ अच्छी बात यह है कि उनके पास निरंतरता है और वह लगभग हर मैच में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में भी अच्छी पारी खेली थी और बार-बार ऐसा करना दिखाता है कि वह अलग और अनूठे हैं। उनके बल्ले का डाउनस्विंग उन्हें एक विशेष खिलाड़ी बनाता है।

राठौड़ ने कहा, हमने टुकड़ों में अच्छी गेंदबाजी की, जैसे आज सीएसके के खिलाफ मैच में आकाश मधवाल ने अच्छा स्पैल डाला। उनको ऐसे गेंदबाजी करते देखना निश्चित रूप से सुखद था। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। आज, वनिंदु हसरंगा ने भी वापसी करते हुए अच्छी गेंदबाजी की। हम दुर्भाग्यशाली रहें कि सैंडी (संदीप शर्मा) बीच टूर्नामेंट में चोटिल हो गए, लेकिन वह ऐसे गेंदबाज हैं, जिस पर हम निर्भर रह सकते हैं। तो गेंदबाजी में ये सभी सकारात्मक चीजें हैं।

उन्होंने कहा, वहीं बल्लेबाजी में तो बहुतों ने उम्मीद जगाई है। हमारी बल्लेबाजी जिस तरह की है, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए जितना बेकार सीजन हो सकता था, हो चुका है। यहां से चीजें बेहतर ही होंगी। चाहे वैभव (सूर्यवंशी) हों या ध्रुव जुरेल, सब यहां से बेहतर ही होंगे। वहीं रियान पराग एक विशेष खिलाड़ी हैं। संजू (सैमसन) दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस सीजन अधिकतर समय चोटिल रहें, हम उम्मीद करते हैं कि वह अगले सीजन पूरी तरह फिट होकर हमारे लिए पूरा सीजन खेलेंगे। वह न सिर्फ एक अच्छे बल्लेबाज, बल्कि बेहतरीन कप्तान और नेतृत्वकर्ता हैं। वहीं (शिमरॉन) हेटमायर के लिए यह निराशाजनक सीजन रहा, लेकिन जिस तरह के वह खिलाड़ी हैं, वह भी निश्चित रूप से कोशिश करेंगे कि आगे ऐसा ना हो।

सीएसके के खिलाफ दिल्ली में हुए मैच के दौरान युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपनी बल्लेबाजी का दूसरा पक्ष भी दिखाया और बताने की कोशिश की कि अगर टीम की जरूरत हो तो वह विकेट पर टिककर खेलना भी जानते हैं। आरआर की पारी की शुरूआत में जब जायसवाल आक्रामक होकर खेल रहे थे, तो सूर्यवंशी ने थोड़ा सा टिककर खेलना उचित समझा। पहले ही गेंद से आक्रमण के लिए माने जाने वाले सूर्यवंशी के नाम इस मैच की शुरूआती 10 गेंदों पर सिर्फ 12 रन थे और उन्हें पावरप्ले में बहुत कम गेंदें खेलने को मिली।

हालांकि आठवें ओवर में जब नूर अहमद गेंदबाजी के लिए आए तो सूर्यवंशी ने एक छक्का और दो चौके लगाकर अपने हाथ खोले और फिर रूके ही नहीं। उनके 33 गेंदों की 57 रनों की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के शामिल थे।

## सीएसके की 10वीं हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा...

# शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यह लगभग तय है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2025 में आखिरी स्थान पर समाप्त होगी, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स से छह विकेट से हारने के साथ उनका पतन जारी रहा।

मंगलवार को बड़ी संख्या में भीड़ - जिसमें बच्चे, वयस्क और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे - ने कोटला में कड़ी गर्मी और कामकाजी सप्ताह के दिन का सामना किया और पीली जर्सी पहनकर और हर छोटे अवसर पर सीटी बजाकर एमएस धोनी एंड कंपनी के लिए जोरदार समर्थन दिखाया।

लेकिन सीएसके के उलझे हुए दृष्टिकोण - जैसे कि रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे से आगे बढ़ाना - और गेंदबाजी में कोई भी पैनापन नहीं होना, ने उन्हें फिर से निराश किया।

मंगलवार के मुकाबले से पहले, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि सीजन को अच्छी तरह से खत्म करने का अवसर उनके लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। लेकिन आरआर से हार, जो इस सीजन की उनकी दसवीं हार थी, ने सीएसके को टी20 तालिका में काफी पीछे रहने की याद दिला दी। इसलिए, फ्लेमिंग को यह कहते हुए सुनना आश्चर्यजनक नहीं था कि सीएसके का अंक तालिका में सबसे नीचे रहना 'संभवतः उचित' है।

हमें यहां नीचे रहना बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन यह कोई प्रेरणा नहीं है। हम बस एक अच्छा प्रदर्शन चाहते थे। हम कुछ प्रदर्शनों को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य दो अच्छे प्रदर्शन करना था। अब बस एक अच्छा प्रदर्शन खत्म करना होगा। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं। हमने उस तरह का क्रिकेट खेला है, इसलिए आप इससे दूर नहीं रह सकते। लेकिन हम जो करना चाहते हैं, वह यह है कि मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करें, जो टीम की क्षमता को दर्शाता है।

हालांकि सीएसके द्वारा 78 रन पर अपनी आधी टीम गंवाने के बाद 187/8 का स्कोर बनाना सराहनीय था, लेकिन यह स्कोर हमेशा ही आरआर की प्रेरित टीम को चुनौती देने के लिए अपर्याप्त था, जिसने अपने युवाओं के दम पर जीत हासिल की। कुछ खिलाड़ियों ने चेन्नई में भी ट्रेनिंग की थी। बस इसमें थोड़ी यात्रा शामिल थी। बाकी सब अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि यह तालिका में हमारी स्थिति के हिसाब से अधिक है, अगर आप शीर्ष चार या पांच के आसपास हैं, तो वापस आकर प्रेरित होना और खेल में उतरना बहुत आसान है। फ्लेमिंग ने कहा, हम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। इन दो मैचों के लिए हमारी प्रेरणा बहुत अधिक रही है। ट्रेनिंग अच्छी रही है। तीव्रता ठीक थी। हम फिर से बीच में प्रदर्शन करने में कमी कर रहे हैं।

तमाम उथल-पुथल के बीच, सीएसके इस बात से खुश होगी कि आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को किस तरह से प्रदर्शन किया, जिन्होंने क्रमशः 43 और 42 रन बनाते हुए कुछ बेहतरीन शॉट दिखाए। हालांकि सीएसके ने पावर-प्ले में 68 रन बनाए, एक ऐसा चरण जो उनके पतन का आधार रहा है, के बाद उन्होंने म्हात्रे सहित तीन विकेट खो दिए, और इससे 200 तक पहुंचने की उनकी इच्छा को चोट पहुंची।

# धर्मशाला में होंगे अंतर जिला टी-20 क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मैच

**धर्मशाला, एजेंसी।** प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। वर्तमान में ऊना के संतोषगढ़ और पेखुबेला क्रिकेट मैदानों में अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसमें पूल के मुकाबले भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव से पूर्व ही करवा लिए थे। कांगड़ा, मंडी, सोलन, कुल्लू और लाहौल-स्पीति के बीच मैच खेले गए। इस पूल में कुल्लू की टीम अंकतालिका में पहले और कांगड़ा की टीम दूसरे स्थान पर रही। टूर्नामेंट में कांगड़ा और कुल्लू ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, पूल बी के मुकाबले टूर्नामेंट की तिथि बदलने के चलते 17 मई से शुरू हुए हैं। पूल-बी में ऊना, हमीरपुर, शिमला, बिलासपुर, किन्नौर और सिरमौर के बीच लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। पूल बी में टॉप टू में रहने वाले टीमें 25 मई को धर्मशाला स्टेडियम में पूल-ए में टॉप पर रही कांगड़ा और कुल्लू के साथ सेमीफाइनल मुकाबले खेलेगी। सेमीफाइनल मुकाबलों में विजेता रहने वाले टीमों के बीच 26 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

# आईपीएल 2025: 23 मई को बंगलूरू में होने वाला आईपीएल मैच लखनऊ शिफ्ट

## रोकी गई हैदराबाद की टीम; दो बार आएंगे कोहली

**लखनऊ, एजेंसी।** 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में खेला जाएगा। इसके लिए हैदराबाद की टीम रोक ली गई है। बीते दिनों टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले विराट कोहली आईपीएल में धूम मचा रहे हैं। अब बंगलूरू में 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में शिफ्ट किया गया है। इस खबर के साथ शहर में विराट के प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जलवा देखने का मौका मिलेगा।

विराट को लेकर शहर में पहले से ही काफी उत्साह था। दरअसल, यहां 27 मई को लखनऊ और बंगलूरू का मैच तय है। विराट को खेलता देखने के लिए इस मुकाबले के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। अब 23 मई को इकाना स्टेडियम में हैदराबाद और बंगलूरू का मैच विराट प्रसंशकों के लिए बोनस है।

मंगलवार शाम को हैदराबाद की टीम बंगलूरू के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उन्हें लखनऊ में ही रुके रहने के लिए कह दिया गया है। मुकाबले के लिए बंगलूरू टीम बुधवार को लखनऊ आ जाएगी। टीम का बृहस्पतिवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास का शेड्यूल भी है। इस दिन हैदराबाद की टीम भी अभ्यास कर सकती है।

**प्लेऑफ नहीं तो एक अतिरिक्त लीग मैच ही सही** - पिछले तीन साल से आईपीएल के मुकाबलों की मेजबानी करने वाले लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पहली बार आठ मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दो सत्रों में लखनऊ सुपरजांयट्स के घरेलू मैदान में सात-सात लीग चरण के मुकाबले खेले गए थे। हालांकि इस सत्र में आईपीएल के मुकाबलों को लेकर उमड़ी भीड़ को देखकर लगा था कि शायद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) लखनऊ को प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी दे दे, लेकिन ऐसा हो न सका। इसके बाद यहां एक अतिरिक्त मैच आने से स्टेडियम प्रबंधन भी उत्साहित है।

**बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद** - हम प्लेऑफ के मुकाबले की मेजबानी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसमें निराश होने की कोई बात नहीं है, क्योंकि अब प्रशंसक अपने पसंदीदा विराट कोहली को इकाना स्टेडियम एक नहीं, दो बार खेलते दिखेंगे। उम्मीद है कि इन मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक अपनी उपस्थित दर्ज कराएंगे।

# मलेशिया मास्टर्स: एचएस प्रणय और करुणाकरन की शानदार जीत

## दूसरे दौर में पहुंचे; सिंधू पहले ही दौर में बाहर

**कुआलालंपुर, एजेंसी।** प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरन ने पुरुष एकल मुकाबलों में उलटफेर करते हुए जीत हासिल की और मलेशिया मास्टर्स बैडमिंट टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को बुधवार को महिला एकल मुकाबले के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

**पुरुष एकल में भारतीयों का जलवा** - प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। भारत के एक अन्य पुरुष खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। आयुष ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से मात दी।

**सिंधू की खराब फॉर्म जारी** - पुरुष एकल वर्ग में जहां भारत के लिए अच्छा दिन रहा, वहीं, महिलाओं के वर्ग में सिंधू की खराब फॉर्म यहां भी बरकरार रही और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट का शुरुआती दौर ही पार नहीं कर सकीं। सिंधू को वियतनाम की नगुयेन थियू लिंथ के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हार मिली।

# चुराह की चंपा ठाकुर कबड्डी वर्ल्ड कप शिविर के लिए चुनीं

**चंबा, एजेंसी।** चंबा जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। प्रशिक्षण शिविर सोनीपत में चल रहा है। यह 30 मई तक चलेगा। शिविर में देशभर से करीब 35 कबड्डी खिलाड़ी भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण के आधार पर ही विश्व कप की टीम घोषित की जाएगी। चंपा के पिता रमेश ठाकुर पेशे से पहलवान हैं, बेटा कुश्ती में अपना भविष्य संवार रहा है। इसके अलावा बेटी चंपा ठाकुर भी कबड्डी में जिले का नाम देशभर में रोशन कर रही हैं। गत वर्ष राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में चंपा ठाकुर ने गोल्ड मेडल जीता था। यह प्रतियोगिता हैदराबाद में हुई। पिता रमेश ठाकुर ने बताया कि चंपा का चयन राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है।

# बांग्लादेशी अभिनेत्री नुसरत फारिया को भेजा गया जेल

## हत्या की कोशिश के आरोप में हुई गिरफ्तार

**बांग्लादेश** की चर्चित अभिनेत्री और मुझिब बायोपिक में प्रधानमंत्री शेख हसीना का किरदार निभा चुकीं नुसरत फारिया को ढाका एयरपोर्ट पर उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वह थाईलैंड के लिए रवाना हो रही थीं। गिरफ्तारी के पीछे जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में उनका कथित रूप से शामिल होना बताया जा रहा है। इस मामले में नुसरत को अदालत के आदेश के बाद सोमवार को जेल भेज दिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नसरिन अख्तर ने नुसरत फारिया को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जाहंगीर आलम चौधरी ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री के खिलाफ जांच चल रही है और सरकार न्याय प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

### किस मामले के तहत हुई गिरफ्तारी?

बताया जा रहा है कि जुलाई 2024 में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एनामुल हक नामक व्यक्ति को गोली लगी थी। वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा और ठीक होने के बाद उसने इस साल 3 मई को मामला दर्ज करवाया। इस केस में कुल 283 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 17 कलाकारों के नाम शामिल हैं। इसी लिस्ट में नुसरत फारिया का नाम भी शामिल है।

### शेख हसीना के किरदार से बनाई पहचान

मुझिब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन नामक फिल्म में शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद नुसरत फारिया देश-विदेश में चर्चा में आई थीं। अब उनकी गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेशी इंडस्ट्री और राजनीतिक गलियारों में बवाल मच गया है।

### कलाकारों ने की आलोचना

बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरों ने भी इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है।

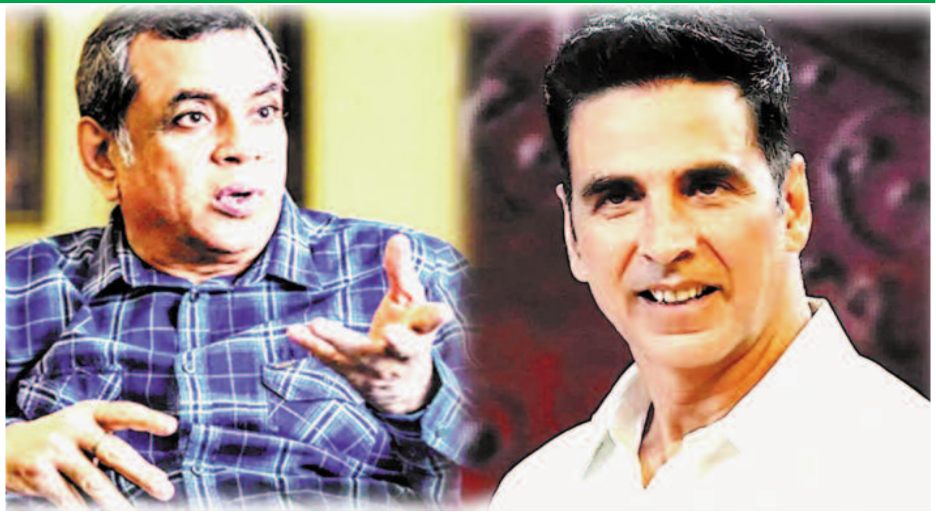

# अक्षय कुमार ठोकेंगे परेश रावल पर 25 करोड़ का हर्जाना! प्रोडक्शन हाउस बोला- बर्दाश्त नहीं करेंगे

कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 से बाहर होने पर अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को 25 करोड़ रुपये का हर्जाना भरने का नोटिस भेजा है। यह मामला अब कानूनी हो चुका है।

कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 एक बार फिर से विवादों में घिर गई है। फ्रेंचाइजी में बाबूराव की भूमिका निभाने वाले अभिनेता परेश रावल ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उनके इस एलान ने सभी को चौंका दिया। साथ ही उनके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। अब इस मामले ने एक कानूनी मोड़ ले लिया है। अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को नोटिस भेजकर हर्जाने की मांग की है।

### परेश रावल से 25 करोड़ रुपये की मांग

रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स ने परेश रावल को कानूनी नोटिस भेजकर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। प्रोडक्शन हाउस का दावा है कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और शूटिंग शुरू करने के बाद रावल ने काम छोड़कर गैर-पेशेवर तरीके से काम किया है।

### तीन गुना ज्यादा फीस ले रहे थे परेश रावल

रिपोर्ट में प्रोडक्शन हवाले से यह भी बताया गया कि इस प्रोजेक्ट के लिए परेश रावल को उनकी सामान्य फीस से तीन गुना ज्यादा भुगतान किया जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'परेश ने पेशेवर नैतिकता और व्यावसायिक आचरण के प्रति घोर उपेक्षा दिखाई। अगर उनका फिल्म को पूरा करने का कोई इरादा नहीं था, तो उन्हें कॉन्ट्रैक्ट साइन करने, एडवांस स्वीकार करने और निर्माता को शूटिंग में भारी निवेश करने से पहले ऐसा कहना चाहिए था।'

### प्रोजेक्ट से बाहर होना निर्माता नहीं करेंगे बर्दाश्त

रिपोर्ट की माने तो मेकर्स ने आगे कहा, 'अब समय आ गया है कि बॉलीवुड अभिनेता यह समझें कि हॉलीवुड की तरह ही यहां भी निर्माता कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करने वाले और अपनी मर्जी से प्रोजेक्ट से बाहर निकलने वाले अभिनेताओं को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

### परेश रावल ने कहा- कोई रचनात्मक भेद नहीं

फ्रेंचाइजी से खुद को बाहर करने के बाद परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ने को लेकर सफाई दी। अभिनेता ने यह साफ किया कि किसी रचनात्मक मतभेदी की वजह से उन्होंने फिल्म नहीं छोड़ी है।

अभिनेता ने एक्स पर लिखा, 'मैं यह रिकॉर्ड में रखना चाहता हूं कि 'हेरा फेरी 3' से दूर रहने का मेरा फैसला रचनात्मक मतभेदों के कारण नहीं था। मैं दोहराता हूं कि फिल्म निर्माता के साथ कोई रचनात्मक असहमति नहीं है। मैं फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के प्रति अपार प्रेम, सम्मान और विश्वास रखता हूं।

' हेरा फेरी सीरीज बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक है। इसका एक बहुत बड़ा फैन बेस है। फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्में बड़ी हिट रही थीं।

**बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा अब पर्दे पर भारतीय सेना के शौर्य और साहस को दर्शाने के लिए एकदम तैयार हैं। रणदीप की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है जिसमें वो भारतीय जवान के किरदार में नजर आने वाले हैं।**

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। जाट जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

# भारतीय सेना के 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

## मेजर जनरल पुनिया का निभाएंगे रोल

### क्या है फिल्म का सब्जेक्ट?

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

## एक्शन मोड में राशि खन्ना

# अभिनेत्री ने अपने आगामी एक्शन प्रोजेक्ट के सेट से शेयर किया स्टंट लुक

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना अब ऐक्शन की दुनिया में एक और बड़ा कदम रखने जा रही हैं, और उनके हाल ही में शेयर किए गए बिहाइंड-द-सीन्स लुक से साफ है कि वह इस बार कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। अपने आगामी एक्शन प्रोजेक्ट के सेट से शेयर की गई एक आकर्षक तस्वीर में राशि चोटिल, खून से लथपथ और पूरी तरह से किरदार में डूबी नजर आ रही हैं, जो एक ऐसे किरदार को दर्शाती हैं जो न सिर्फ शारीरिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी काफी चुनौतीपूर्ण लग रहा है। एक सादे टी-शर्ट और काले पैंट में नजर आ रहीं राशि की नाक और हाथ पर साफ़ चोटों के निशान दिख रहे हैं। वह एक गंभीर और तनावपूर्ण सीन में बैठी हैं, और उनका एक्सप्रेशन, मेकअप और लाइटिंग मिलकर इस तस्वीर को बेहद प्रभावशाली बना देते हैं। यह लुक उनके अब तक के ग्लैमरस और पॉलिश्ड लुक्स से बिल्कुल अलग है - जो उनके अभिनय के नए, और कहीं ज़्यादा रॉ पहलू की ओर इशारा करता है। राशि ने सोशल मीडिया पर छवि साझा की, और इसके कैप्शन में लिखा, ÷कुछ किरदार पूछते नहीं।वे मांगते हैं।तुम्हारा शरीर। तुम्हारी साँसें। तुम्हारे ज़ख्म।और जब तुम तूफ़ान बन जाते हो, तो आप बिजली की गड़गड़ाहट से नहीं घबराते। जल्द आ रही है. इंटरनेट पर इस लुक को लेकर काफी चर्चा हो रही है। फैंस और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स राशि के इस लुक की गंभीरता और उनके समर्पण की जमकर सराहना कर रहे हैं। हर किरदार में खुद को पूरी तरह से झोंक देने वाली राशि ने इस प्रोजेक्ट के लिए कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग और स्टंट प्रैक्टिस की है।यह रोल न केवल एक्शन से भरपूर है बल्कि इसमें इमोशनल गहराई की भी मांग है - और राशि इन दोनों को बेहतरीन ढंग से पेश करती दिख रही हैं। हाल ही में उन्होंने द साबरमती रिपोर्ट में एक जुझारू पत्रकार का किरदार निभाया था, जिससे यह साबित होता है कि वह जटिल और विविध किरदारों को बखूबी निभा सकती हैं। इनवेस्टिगेटिंग ड्रामा से लेकर जबरदस्त एक्शन तक, राशि एक कलाकार के रूप में अपने अभिनय की रेंज और गहराई को दर्शा रही हैं।और अब इस नई फिल्म के साथ, वह अपने करियर के सबसे कठिन शारीरिक किरदार में कदम रखने जा रही हैं - जो उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे दमदार और बहुमुखी प्रतिभाओं में शामिल कर रहा है।

# कुछ इस तरह की कुणाल शर्मा ने मकाम के लिए तैयारी

बॉलीवुड एक्टर कुणाल शर्मा अपनी आने वाली एक्शन-ड्रामा फिल्म मकाम में विक्रम रानवाल का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। फिल्म की शूटिंग कोलकाता, मुंबई, पुणे और हैदराबाद में की गई। कुणाल लगभग हर शूटिंग शेड्यूल का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, मैं विक्रम रानवाल का किरदार निभा रहा हूं, जिसे अंडरग्राउंड फाइटिंग सर्किट में किंग ऑफ द रिंग के नाम से जाना जाता है। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं बहुत खुश हुआ... लेकिन थोड़ा डर भी लगा। इस किरदार के लिए बड़ी और मजबूत बॉडी चाहिए थी। लेकिन, मेरे पास ज्यादा समय और पैसे नहीं थे, इसलिए पर्सनल ट्रेनर रखना मुश्किल था।

उन्होंने आगे कहा, ऐसे में मेरे इंजीनियरिंग दिमाग ने बहुत मदद की। मैंने खुद ही फिटनेस ट्रेनर और न्यूट्रिशन का कोर्स किया। मैं थ्योरी पढ़ता और फिर उसे अपने शरीर पर आजमाता था। कुणाल ने खुद से सीखकर, बिना किसी ट्रेनर के अपनी बॉडी बनाई। उन्होंने पढ़ाई और मेहनत दोनों का इस्तेमाल किया और खुद को किरदार के रूप में ढाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, विक्रम के अंदर की दुनिया को समझना, उसके जज्बात, सोच और दर्द को महसूस करना। मैं असल में एमएमए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) फाइटर नहीं हूं और फिल्म के क्लाइमेक्स में 10-12 मिनट लंबी रिंग फाइट है। कुणाल ने कहा कि एमएमए को पूरी तरह सीखने का वक्त नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने शरीर की मुद्रा, खड़े होने का तरीका और दुनियाभर की फिल्मों में दिखाए गए एमएमए को ध्यान से देखा और सीखा। इसमें उन्होंने टीम की भी मदद ली। लेकिन, ये सब करते हुए उनके शरीर पर काफी असर पड़ा, बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी। एक्टर ने कहा, मुझे चोटें आईं, कुछ हड्डियां भी टूट गईं और क्लाइमेक्स की फाइट के बाद मुझे ठीक होने में 4 से 6 हफ्ते लगे। लेकिन, जब फिल्म का ट्रेलर आया और लोगों ने मेरी तारीफ करनी शुरू की, तो सारा दर्द गायब हो गया। कुणाल ने हवाई फाइव-0, प्रिजन ब्रेक जैसी फिल्मों और शोज में काम किया है।

# कमल हासन के साथ किसिंग सीन से चर्चा में तृषा

**साउथ सुपरस्टार कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ठग लाइफ का हाल ही में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस फिल्म में एक सीन देख कर नेटिजंस भड़क गए हैं। इस सीन में अभिनेत्री तृषा कृष्णन और अभिनेता कमल हासन के बीच रोमांटिक सीन दिखाया गया है, जिसमें दोनों के बीच किसिंग सीन को फिल्माया गया है। इस कारण से सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। आइए जानते हैं तृषा कृष्णन के बारे में कि वो कब-कब चर्चाओं में रहीं।**

### दलपति विजय के साथ अफेयर

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन और साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के अफेयर्स की खूब चर्चाएं हुई थीं। विजय और तृषा को पहली बार साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म घिल्ली में देखा गया था, जो एक शानदार फिल्म साबित हुई थी। इसके बाद भी दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। साल 2008 के बाद दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें सामने आईं। इसी के बाद लगभग 15 सालों तक दोनों ने साथ में कोई फिल्में नहीं कीं। इसके बारे में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा के साथ काम करने के लिए मना किया था। हालांकि, 15 सालों बाद 2024 में दोनों लियो फिल्म में फिर एक साथ नजर आए। इसके अलावा अभिनेत्री ने उन्हें 2024 में अलग अंदाज में बर्थडे विश किया था, जिसने कई अफवाहों को फिर से तूल दे दी थी।

### राणा दग्गुबाती के साथ चली थी लव स्टोरी

अभिनेता और फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती के साथ भी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के अफेयर की खबरें सामने आईं थीं। यह अफवाह इतनी फैली कि उनके फैंस को लगा कि ये दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की थीं, लेकिन सार्वजनकि तौर पर उनकी गतिविधियां बहुत कुछ बयां कर देती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर के साथ एक इंटरव्यू में करण ने राणा दग्गुबाती से तृषा कृष्णन के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा, तो अभिनेता ने स्वीकार किया कि वे डेटिंग कर रहे थे। हालांकि, उनके बीच चीजें ठीक नहीं रहीं, इस वजह से वो अलग हो गए थे।

### चेन्नई के एक व्यवसायी से की सगाई

कहा जाता है राणा दग्गुबाती से ब्रेकअप के बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने साल 2015 में चेन्नई के एक व्यवसायी वरुण मनियन से सगाई कर ली थी। हालांकि, बाद में अभिनेत्री की सगाई टूट गई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कहा गया  कि वरुण के पिता अपने बेटे की शादी तृषा से करने के फैसले के खिलाफ थे, क्योंकि वह चाहते थे कि उनके परिवार में समान पृष्ठभूमि से कोई बहू आए। हालांकि, एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी सगाई इसलिए टूटी, क्योंकि वरुण उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए कह रहे थे।

### तृषा कृष्णन के बारे में

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अभिनेता कमल हासन अभिनीत फिल्म ठग लाइफ में नजर आएंगी, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।